केशवसृष्टि समाचार

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 Posted at Partika Channel Sorting Office, Mumbai GPO 400001. Published on 5th of every month & Posting on 7th and 8th of every month. RNI no. 72232/99

वर्ष १९ । अंक २ । भायंदर । फरवरी २०१९ । विक्रम संवत २०७५ । पृष्ठ ३२ । मूल्य रु. १०/- वार्षिक रु.१००/-

केशवसृष्टि महोत्सव
तथा
श्री सत्यनारायण महापूजा

'सुशासन संगम' राष्ट्रीय परिषद

परिषद का उद्घाटन करते हुए राज्यसभा के उपाध्यक्ष श्री. हरिवंश नारायण सिंग, साथ में प्रबोधिनीके अध्यक्ष प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे, उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, महासंचालक रवींद्र साठे, व्यवस्थापन समिती सदस्य रेखा महाजन, अरविंद रेगे

RRIS द्वारा

राज़मटाज़
अभिभावक तथा
छात्रों द्वारा किया गया
क्रियाकलाप

खसरा और रूबेला रोग मुक्त अभियान से जुड़ते हुए राम रत्ना अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय

डॉ. महेश अजिंक्य एवम् डॉ वैजयंती आजिंक्य द्वारा केशवसृष्टि में सहल का आयोजन किया गया।

श्री संतोष गायकवाड जी ग्राम विकास योजना का वार्षिक अहवाल सौ. अमृता फडणवीस जी को सादर करते हुए

श्री राजीव कुमार जी के साथ ग्राम विकास योजना की टीम

वनौषधि एवम् सयानोफार्म प्रकल्प

इंट्रा स्टेट इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार - श्रेया भट्ट (BSc micro-II) और सुनंदा थोंडगा (MSc biochem) अपना रिसर्च इंटर्नशिप रिसर्च सेंटर, केशवश्रृष्टि में कर रही हैं। स्नातक स्तर पर सूक्ष्म जीवविज्ञान का अध्ययन करनेवाले लॉड्र्स कॉलेज से श्रेया और सुनंदा ने हाल ही में शिवाजी कॉलेज, औरंगाबाद में इंट्रा स्टेट इंटर कॉलेज विज्ञान प्रदर्शनी २०१९ में भाग लिया। इस प्रदर्शनी के लिए २०० परियोजनाओं का चयन किया गया था, जिसमे सायनोफार्म रिसर्च सेंटर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस परियोजना में रासायनिक उद्योग से निकलनेवाले रासायनिक अपशिष्ट जल प्रवाह को बायो रिमेडिएट करके शुद्ध करने का सायनोफार्म का अनुसंधान प्रस्तुत किया गया।

केशवसृष्टि महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम

बोरिवली, मुंबई में सम्पन्न हिन्दू आध्यात्मिक सेवा मेला का समापन समारोह

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 RNI No. 72232 / 99

यह पत्रिका मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश भगेरिया द्वारा केशवसृष्टि के लिए यूनिटी आर्ट ऑफसेट, ३०२, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई - ४०० ०३१ से मुद्रित और केशवसृष्टि, उत्तन, भायंदर, जि. ठाणे से प्रकाशित हुई है. - संपादक : **सुदर्शन शर्मा**

संपादकीय

मकर संक्रान्ति के स्नान का पुण्य प्राप्त कर लोग, विशेषतः मध्यम वर्गीय व श्रमिक वर्गीय, चातक पक्षी के समान आस लगाये बैठे रहते हैं कि कब वसन्त ऋतु के प्रारंभ होने पर वित्त मंत्री के बजट रूपी बादल से कुछ अमृत रूपी बूँदें बरस उनकी प्यास बुझायें। वर्षों की प्रतीक्षा के बाद इस वर्ष शायद पवित्र कुम्भ स्नान का प्रभाव था कि वित्त मंत्री वास्तव में प्रसन्न था या सिर पर खड़े चुनाव की तपिश थी कि बजट रूपी बादल से अपेक्षित बूँदें क्या बारिश हो गयी। सर्वसाधारण लोग तो खुश हो गये परन्तु एक वर्ग अर्थात् राजनीति में विरोधी पक्ष के नेता, आप कितना भी कर दो, वे खुश नहीं होते। कहते हैं चुनाव की मजबूरी है, नहीं तो पहले गुज़रे चार वर्षों में क्यों नहीं दिया? वे लोग आसानी से भूल जाते हैं या भूलने का ढोंग करते हैं कि उनके घोटालों ने देश को दिवालियेपन की कगार तक ला दिया था। यह तो वर्तमान सरकार की कुछ नीतियों के कारण देश का भण्डार भरा हुआ है जिस कारण वित्तमंत्री का भी मन बन पड़ा कि चलो चुनावी वर्ष में भरे हुए भण्डार से जनता को भी कुछ देकर गंगा नहायी जाये। अस्तु ।

इस वर्ष कुम्भ मेले में एकत्रित साधु सन्तों ने निश्चित किया कि रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनाने हेतु कुछ निर्णय लिया जाये। इस भूमि का वाद उच्चतम न्यायालय में लटका हुआ है। हिन्दुओं की आस्था का ही तो प्रश्न है, लटकाए रखो, इतने वर्ष हो गये, वहाँ और कुछ समय, इतनी जल्दी भी क्या है? कभी विरोधी पक्ष किसी न्यायाधीश पर उंगली उठाते हैं तो कभी कोई न्यायाधीश निश्चित की हुई तिथि पर छुट्टी पर चला जाता है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर कुम्भ मेले में साधु सन्तों की धर्म संसद बैठी । एक नहीं, दो दो। शंकराचार्यजी की अध्यक्षता में हुई पहली धर्म संसद में निर्णय ले लिया गया कि न्यायालय से कोई उम्मीद नहीं, अतः २१ फरवरी को वे अनुयायिओं सहित अयोध्या जाकर राम जन्मभूमि पर शिलान्यास करेंगे। और विश्व हिन्दू परिषद द्वारा आयोजित धर्म संसद, वर्तमान सरकार से सहमति जताकर संवैधानिक निर्णय की आशा में बिना कोई ठोस निर्णय लिये समाप्त हो गयी। बिचारा हिन्दू फिर ठगा ठगा सा रह गया।

इस मास शिशिर ऋतु समाप्त होकर कुसुमाकर वसन्त ऋतु का आगामन हो रहा है, पेड़ पौधे सुगंधित रंग-बि-रंगे फूलों से सज धजकर खिल उठेंगे। दिनांक ८ को गणपति जयन्ती और दिनांक १० को वसन्त पंचमी का दिन माँ शारदा, विद्या की देवी सरस्वती का पूजनोत्सव । आशा है कि इन दोनों की कृपादृष्टि भारत देश पर बनी रहेगी। दिनांक १९ को अंग्रेज़ी गणनानुसार छत्रपति शिवाजी महाराज की जयन्ती तो दिनांक ११ को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की और दिनांक २६ को स्वातंत्र्यवीर सावरकर की पुण्यतिथि है, इन महापुरुषों की पुण्य स्मृति को सादर नमन!

०००

बोध-वाक्य

समानो मंत्रः समितिः समानी
समानं व्रतं सहचित्तमेषाम् ।
समानेन वो हविषा जुहोमि
समानं चेतो अभिसंविशध्वम् ।।

(अथर्ववेद६.६४.२)

हे बंधुओं! हमारे विचार समान हों।
हमारी सभा सबके लिए समान हो।
हम सबका संकल्प एक समान हो।
हम सबका चित्त एक समान भाव से भरा हो।
एक विचार होकर अपने कार्य में एक मन से लगे।
इसीलिए हम सबको समान मौलिक शक्ति मिली है।

केशवसृष्टि समाचार

फरवरी २०१९ मासिक
वर्ष २० | मूल्य रु. १०/-
अंक २ | वार्षिक रु. १००/-

संपादक मंडल :
सुदर्शन शर्मा
(मुख्य संपादक)
व्यासकुमार रावल
विजय इंगळे

कार्यालय :
केशवसृष्टि, उत्तन,
भायन्दर, जि. ठाणे

दूरभाष :
२८४५०२४७, २८४५२८५५

मुद्रक एवं प्रकाशक
सुरेश भगेरिया
केशवसृष्टि के लिए

युनिटी आर्ट ऑफसेट :
३०२, वडाला उद्योग भवन,
वडाला, मुंबई - ४०० ०३१.
से मुद्रित और केशवसृष्टि,
उत्तन, भायन्दर, जि. ठाणे
से प्रकाशित हुई है।

गौपूजन व परिक्रमा के साथ महापूजा धूमधाम से सम्पन्न

केशवसृष्टि में प्रतिवर्ष जनवरी मास में भगवान श्रीसत्यनारायण की महापूजा और सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन होता है इस क्रम में २६ जनवरी गणतंत्रदिवस को केशवसृष्टि गौशाला में धूमधाम से गौसाक्षी में भगवान सत्यनारायण की महापूजा सम्पन्न हुई प्रस्तुत है। महापूजा की विशेष रपट

- व्यासकुमार रावल

भारत में हिंदू धर्मावलंबियों के बीच सबसे प्रतिष्ठित व्रत कथा के रूप में भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की सत्यनारायण व्रत कथा है। भगवान की पूजा कई रूपों में की जाती है। उनमें से उनका सत्यनारायण स्वरूप इस कथा में बताया गया है। विद्वानों की माने तो स्कंद पुराण के रेवा खंड में इस कथा का उल्लेख मिलता है। इसके मूल पाठ में पाठांतरसे करीब १७० श्लोक संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं। केशवसृष्टि में परंपरागत ढंगसे प्रतिवर्ष सत्यनारायण महापूजा का आयोजन होता है जिसमें केशवसृष्टि के शुभेच्छुक भाग लेते हैं। इस क्रम में २६ जनवरी को इस वर्ष केशवसृष्टि गौशाला में गौशाला के कार्यवाह डॉ. सुशील अग्रवाल के नेतृत्व में महापूजा हुई जिसमें करीब २ हज़ार से अधिक भक्तों ने भाग लेकर केशवसृष्टि महोत्सव को सफल बनाया।

केशवसृष्टि के अध्यक्ष बने यजमान

केशवसृष्टि गौशाला में महापूजा को लेकर विशुद्ध भारतीय परंपरासे गौशाला को सजाया गया जहाँ पर आगमन के साथ ही लोगों के मन को अगाध शांति तथा सुकून मिल रहा था! महापूजा सुबह ठीक ९ बजे शुरू हुई, इस महापूजा में केशवसृष्टि के अध्यक्ष श्रीसुरेन्द्रजी गुप्ता अपनी धर्मपत्नी श्रीमती मीनू गुप्ता के साथ मुख्य यजमान बने जहाँ पर पंडितजी द्वारा कथा वाचन के साथ पूजा विधि करवाई गयी। बाद में ठीक ११ बजे महापूजा की महाआरती शुरू हुई। मुख्य अतिथि स्वामी ब्रम्ह विज्ञानानंदजी की विशेष उपस्थिति में महापूजा हुई जिसमें केशवसृष्टि के पालक विमलजी केडिया, सुरेशजी भगेरिया, सतीशजी सिन्नरकर, विश्व हिंदू परिषद गौसेवा विभाग के केंद्रीय मंत्री लक्ष्मीनारायण चांडक, राजू आप्टे केशवसृष्टि की पूर्व अध्यक्षा अल्का ताई मांडके, सुचित्रा इंगले, प्रकाश राजाध्यक्ष, भाजपा जिला अध्यक्ष हेमंत म्हात्रे, केशवसृष्टि समाचार के सुदर्शन शर्मा, अनुपम शुक्ला, केशवसृष्टि के विभिन्न प्रकल्पों के प्रतिनिधियों सहित अनेक लोगों ने इस महाआरती में भगवान की आरती की। बाद में पंचामृत तथा सीरे का प्रसाद के रूप में वितरण किया गया जो दिन भर जारी रहा! इस पूजा स्थान की विशेषता यह थी कि पूजा स्थान को गौमाता के बाड़े के रूप में चुना गया जिसके गोबरसे पूरे परिसर में लेपन किया गया साथ ही पूजा स्थान पर गौ साक्षी के रूप में एक गौमाता को रखा गया जिसकी लोगों ने दिन भर पूजन व परिक्रमा की! विशेष रूप में गणतंत्र दिवस होने के कारण पूजा स्थान पर जगह जगह तिरंगे की झंडिया लगाई गईं जिससे आध्यात्मिकता के साथ राष्ट्रभक्ति का भी बोध होता था! हालांकि गणतंत्र दिवस होने के कारण सुबह कुछ कम भीड़ दिखी लेकिन ११ बजे के बाद लोगों का उमड़ना जारी रहा जो सिलसिला दिनभर जारी रहा।

पालखी यात्रा की रही रौनक

प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी भगवान विष्णु की पालखी यात्रा का आयोजन किया गया जो दत्त मंदिर नारियल बागसे शुरू हुई इस पालखी यात्रा में श्रीकृष्ण भावनात्मक संघ श्री श्री राधा गिरधारी मंदिर इस्कॉन मीरारोड से पधारे श्री राधाकांत दास जी, माधवेन्द्र दासजी लिमएदासजी महाराजसहित इस्कॉन के लोगों ने हरे कृष्ण की सुमधुर धुन के साथ नाचते गाते हुए इस पालकी यात्रा में चार चांद लगा दिए। इस यात्रा से केशवसृष्टि उत्सवसमिति विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अनेक लोग भी जुड़े। बाद में यह पालखी

गौशाला पूजा स्थान पर पहुँची जहाँ पर दिन भर श्रद्धालुओं ने पालखी के दर्शन किये।

महापौरसहित कई विशिष्ठ लोगों ने दी उपस्थिति

केशवसृष्टि महापूजा को लेकर मीरा भायंदर की महापौर डिंपल मेहता सहित अनेक विशिष्ठ लोगों ने महापूजा में भाग लिया। महापौर डिंपल मेहता ने सत्यनारायण के दर्शन किये, गौमाता को गौग्रास खिलाया परिसर में लगे विभिन्न स्टालों पर जाकर अवलोकन किया। केशवसृष्टि उत्पादनों की खरीदी की तथा काफी समय तक पूजा स्थान पर रही। इस अवसर पर गौशाला की ओर से डॉ. सुशील अग्रवाल द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस महापूजा में उपमहापौर चन्द्रकान्त वैती, भाजपा के मनपा में सभागृह नेता रोहिदास पाटिल, गटनेता हसमुख गहलोत, पूर्व महापौर गीता जैन, नगरसेवक सुरेश खंडेलवाल, नगरसेविका नीला सोमस, वैशाली रकवि सहित अनेक नगरसेवकों के अतिरिक्त शहर की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के लोगों सहित शहर के गणमान्यवर लोगों ने पधार कर पूजा स्थान पर दर्शन किये तथा समारोह की गरिमा बढ़ाई।

परोपकार संस्था की और से कढ़ी खिचड़ी

केशवसृष्टि महोत्सव में मानवसेवा में अग्रणी संस्था परोपकार द्वारा प्रतिवर्ष मिनरल पानी की व्यवस्था की जाती है। इस वर्ष केशवसृष्टि महोत्सव में महाप्रसाद के रूप में कढ़ी खिचड़ी वितरण का लाभ भी परोपकार संस्था ने लिया! सर्दी का मौसम होनेसे गरमा गरम कढ़ी तथा खिचड़ी लोगों को ख़ूब रास आई तथा भूरि भूरि प्रशंशा की। भोजन वितरण के लिए इस बार गौशाला परिसर में ही विशाल शामियाना बनाया गया जहाँ पर लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस वर्ष जलसेवा की लाभार्थी भी परोपकार ही रही! इस अवसर पर भायंदर परोपकार क्षेत्रीय समिति के ओम प्रकाश गाड़ोदिया विशेष रूपसे उपस्थित दिखे! प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत का सपना केशवसृष्टि में साकार होते दिखा। इतने विशाल कार्यक्रम के बावजूद कहीं भी जूठन अथवा कचरा देखने को नहीं मिला तथा केशवसृष्टि पूर्ण कचरा मुक्त हो लोगों ने जमकर प्रतिसाद दिया जबकि गौशाला की ओर से आगंतुकों के लिए विशुद्ध गौ छास का निःशुल्क वितरण किया गया। जहाँ पर लोगों ने दिन भर छास का आनंद उठाया! यहाँ पर एक बैलगाड़ी झांकी के रूप में रखी गयी जिसे लोगों ने खूब निहारा, लोगों ने सेल्फी ली जबकि गौमाता को हर मौसम में हरा चारा मिले इस दृष्टिसे एक प्लांट लगाया गया है। उसको भी लोगों ने खूब निहारा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

महापूजा को लेकर परिसर में ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम हुए। वरिष्ठ नागरिकों द्वारा प्रस्तुत भजन कार्यक्रम को खासा प्रतिसाद मिला जबकि कृषि के छात्रों तथा कर्मचारी उत्सवसमिति द्वारा किये गए सांस्कृतिक कार्यक्रम समूह नृत्यसहित विभिन्न कार्यक्रमों को भी लोगों ने खूब देखा। परिसर के निकट ही केशवसृष्टि उत्पादन स्टॉल, रामभाऊ प्रबोधिनी, केशवसृष्टि रामरत्नाविद्यामंदिर, रामरत्न इंटरनेशन स्कूल, वनौषधि, कृषि संशोधन संस्था, अन्नपूर्णा, गृह उद्योग सहित विशेष रूपसे गुजरात के हिम्मतनगर की फैमिली फार्मा के स्टॉल पर गोबरसे निर्मित खिलौने तथा ऑर्गेनिक सब्जी जिसमें बिना पानी के उत्पादित आलू व ऑर्गेनिक सब्जी आकर्षण का केंद्र रही! अन्नपूर्णा द्वारा न्यूनतम दर पर झुनका भाकर व अन्य अल्पाहार का भी लोगों ने आनंद उठा लिया। विशेष कर कृषि के सब्जी स्टॉल पर काफी भीड़ देखी गयी तथा लोगो ने ताजी सब्जियां खरीदी।

लोगों ने केशवसृष्टि का किया भ्रमण

महापूजा के अवसर पर लोगो ने केशवसृष्टि का भी भ्रमण किया। प्रवेश द्वार स्थित डॉ शरदचंद्र अजिंक्य जिन्होंने केशवसृष्टि को भूमि दान दी थी उनके निमित्त अजिंक्य स्मारक में नमन किया। केशवसृष्टि के संस्थापक स्व. मुकुन्दरराव पनशीकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए, नारियल बाग में रज्जुभैया एनर्जी पार्क के बायोकोल, दत्तमंदिर, चिकू बाग, रज्जू भैया द्वारा रोपित सीता अशोकवृक्ष, वनौषधि उत्पादन केंद्र, लाखी बाग, मधुबन, गौशाला में रज्जुभैया एनर्जी पार्क की गोबर गैस प्लांट, राम रत्ना विद्यामन्दिर का स्विमिंग पूल, राम भाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में प. पू. हेडगेवारजी व प. पू. गुरुजी के तेल चित्रदर्शन, किशन गोपाल राजपुरिया वानप्रस्थाश्रम, विद्याप्रद हनुमान मंदिर सहित केशवसृष्टि के अनेक स्थानों पर लोगों ने भ्रमण किया तथा खूब आनंद उठाया।

०००

डॉ अजिंक्य का आकृति महिला ग्रूप के साथ

केशवसृष्टि दौरा

केशवसृष्टि के महान दानदाता डॉ शरदचंद्र राव अजिंक्य के पुत्र डॉ महेश अजिंक्य तथा उनकी पुत्र वधु वैजयंती अजिंक्य के साथ आकृति महिला ग्रूप ने केशवसृष्टि भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान डॉ. अजिंक्य के साथ आकृति महिला मंडल के करीब ३० सदस्य उपस्थित थे।

सर्वप्रथम डॉ महेश अजिंक्य तथा उनकी धर्मपत्नी वैजयंती अजिंक्य मंडल सदस्यों के साथ अजिंक्य स्मृति पधारे तथा अपने पिताश्री महान दानदाता डॉ शरदचंद्र राव की प्रतिमा को सपत्नी पुष्पांजलि दी। डॉ. अजिंक्य ने केशवसृष्टि की यह भूमि दान दी थी। उस निरपेक्ष दान निरपेक्ष सेवा को लेकर केशवसृष्टि ने अजिंक्य स्मारक बनाया है तथा यहाँ आने वाला हर व्यक्ति डॉ अजिंक्य से प्रेरणा लेने का प्रयत्न करता है।

उसके पश्चात डॉ अजिंक्य मंडल के साथ नारियल बाग के निकट दत्त मंदिर गए तथा उन्होंने भगवान दत्त तथा अपने मूलपुरुष के दर्शन किये। इस अवसर पर समूह के साथ केशवसृष्टि पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म देखी। केशवसृष्टि में भ्रमण किया तथा यहाँ पर खेल कूद में हिस्सा भी लिया। केशवसृष्टि के कर्मचारियों से मिले तथा उनका अभिवादन किया! उनके साथ पधारी पूरे आकृति महिला मंडल को केशवसृष्टि की कार्यपध्दति व प्रबंधन खूब रास आया! इस अवसर पर डॉ अजिंक्य कुछ भावुक भी दिखे तथा कहा कि हमारे परिवार ने जो किया है उसको लेकर हम बहुत संतुष्ट हैं तथा ऐसे कार्यों पर हमें गर्व है कि यहाँ राष्ट्र के लिए कार्य होते है।

लक्ष्मणराव भिड़े व्याख्यानमाला सम्पन्न

मुख्य वक्ता, आर्थिक व राजकीय एनालिसिस्ट श्री अजित रानडे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे दिवंगत लक्ष्मणराव भिड़े की स्मृति में विश्व अध्ययन केंद्र तथा केशवसृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में १८ जनवरी को मुम्बई इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स में १३ वीं व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य वक्ता, आर्थिक व राजकीय एनालिसिस्ट श्री अजित रानडे, अतिथि सोलर कम्फर्ट प्रायव्हेट लिमिटेड के डायरेक्टर महेश कांत मांगलिक तथा विश्व अध्ययन केंद्र के नारसिहंन द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया तथा अथिति सत्कार किया गया।

इस अवसर पर श्री अजित रानाडे ने कहा कि यह व्याख्यानमाला एक शोध की तरह है। भारत सुपर पावर होने की ओर बढ़ रहा है परंतु सुपर पावर प्रोस्प्रेरिटी के बाद आता है! जीडीपी ग्रोथ की भी समाज को पहली ज़रूरत है। आज भारत को दुनिया आर्थिक दृष्टि से देख रही है। आज एक डॉलर से अमरीका में बाल भी नहीं कटवा सकते जबकि भारत में यह संभव है। भारतीय बाजार कृषि सहित संयुक्त प्रॉडक्शन में अच्छा बाज़ार है! आज भारत इकॉनॉमिक ग्रोथ में शांतिप्रिय तथा विश्व का स्वागत करता है! हमारा तथा हमारे पड़ोसी मुल्क का जन्म एक साथ हुआ इसके बावजूद भारत आज विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति है। किसी भी देश की इकॉनॉमी उसकी रीढ़ होती है।

मुख्य अतिथि परेश मांगलिक ने कहा कि किसी भी देश का मापदंड उसकी आर्थिक स्थिति से किया जाता है जो इकॉनॉमी के मापदंड पर खरे उतरते हैं उन्हें सभी देखते हैं। विश्व के इतिहास में सभी का दिल जीतने वाले भारतीय हैं विश्व भर में इंडस्ट्री के क्षेत्र में भारतीयों ने नाम कमाया है। आज जो भारत बन रहा है उसका हम लाभ उठाएं।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम हुआ जिसका उत्तर श्री अजित रानाडे ने दिया तथा संतुष्टि के साथ, राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समारोह के दौरान भोजन की व्यवस्था भी की गई।

०००

दो दिवसीय अक्षय ऊर्जा कैम्प का समापन

केशवसृष्टि में कार्यवाह विनय नाथानी तथा अनुपम शुक्ला के मार्गदर्शन में ८ व ९ जनवरी२०१९ को अक्षय ऊर्जा कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें सुराजबा विद्या मंदिर, जोगेश्वरी के १६० विधार्थियों ने भाग लिया ।

अरदीप राठौड़ के नेतृत्व में हुए इस बिन प्रणालीगत ऊर्जा कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने लाइट हाउस देखा। उस दौरान कोयला निर्माण, कागज़ बनाना व वेस्ट मैनेजमेंट पर भी जानकारी दी गयी । इसी कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने एक दिन का किसान बन कर किसान कितनी कड़ी मेहनत करता है यह प्रत्यक्ष अनुभव लिया । शिवरार्थियों ने गौशाला का भ्रमण कर गौमाता को चारा खिलाया तथा अपने हाथों से गौमाता का दोहन भी किया! केशवसृष्टि के भ्रमण के साथ ही प्रकृति मां की गोद में बसी केशवसृष्टि में रात को आकाशदर्शन के दृश्य का आनंद भी लिया । इसी दौरान विद्यार्थियों को सोलर कुकर तथा सोलर इनर्जी के बारे में भी जानकारी दी गयी !

विद्यार्थियों के लिए आवास की व्यवस्था रामरत्ना विद्यामंदिर तथा रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में की गई ! इस शिबिर को सफल बनाने निलय चौबल, निशा मरोलिया, वसंत वलवी, गणपत बांगड़, अशोक आदि ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गए ।

रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी द्वारा 'सुशासन संगम' राष्ट्रीय परिषद

परिषद का उद्घाटन करते हुए राज्यसभा के उपाध्यक्ष श्री. हरिवंश नारायण सिंग, साथ में प्रबोधिनी के अध्यक्ष प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे, उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, महासंचालक रवींद्र साठे, व्यवस्थापन समिती सदस्य रेखा महाजन, अरविंद रेगे

रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के तत्वावधान में 'सुशासन संगम' संकल्पना लेकर दि. २०-२१ जनवरी २०१९को दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद का आयोजन किया गया था । केंद्र एवम् राज्य सरकारों के माध्यमसे तथा स्वैच्छिक संगठन एवम् व्यक्तिगत स्तरपर सुशासन संदर्भ में जो आदर्श पद्धति, योजनाएँ चलती हैं, ऐसे कार्यों को मंच प्रदान करना परिषद का उद्देश्य था। राजनीतिक चिंतक, अध्ययनशील शिक्षार्थी, राजनीतिक एवं स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि इसमें अपेक्षित थे । देश के १४ राज्योंसे लगभग १४९ प्रतिनिधि इस दो दिवसीय परिषद में सम्मिलित हुए थे।

सुशासन यह केवल शासन का दायित्व नहीं है तो समाज/देश के सभी लोगों का है, इस भावना को विकसित करना और समाज में चल रहे अच्छे कार्य को लोगों तक पहुँचाना इस उद्देश्य से आयोजित इस परिषद का उद्घाटन राज्यसभा के उपाध्यक्ष श्री. हरिवंश नारायण सिंग ने किया तथा परिषद का बीज भाषण प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने किया। प्रबोधिनी के अध्यक्ष प्रो. अनिरुद्ध देशपांडे उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष थे । परिषद में उद्घाटन, समापन सत्र के साथ कुल ८ सत्र हुए इन में तीन समांतर सत्र थे।

दो सत्रों में मन की बात के चैम्पियन्सने अपने कार्य से उपस्थित सभी प्रतिभागीयों को अवगत कराया । सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्र की सुशासन में भागीदारी, सुशासन के विभिन्न पहलू, क्षमता विकास से सुशासन, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुशासन, तंत्रज्ञान से सुशासन, आंतरराष्ट्रीय संबंधो में सुशासन इ. विषयोंपर समांतर सत्र हुये । कुल ४० अध्ययनशील, अनुभवी मान्यवरों ने संपूर्ण परिषद में अलग-अलग सत्रों में मार्गदर्शन किया।

परिषद का समापन प्रबोधिनी के महानिदेशक श्री. रवींद्र साठे के मार्गदर्शन से हुआ।

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन में मनाया
७० वाँ गणतंत्र दिवस

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन में ७० वाँ गणतंत्र दिवस बड़े उल्लास से मनाया गया। प्रमुख अतिथि श्रीमती जेसिका रिबेलो, संस्था के प्रमुख सदस्य प्रकाश राजाध्यक्ष, केशवसृष्टि के सदस्य श्री विवेक वैद्य तथा केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन की प्रधानाचार्या श्रीमती अनघा मांडवकर सभी शिक्षक एवम् छात्रोंने २६ जनवरी २०१९ को सुबह ९.०० बजे भारतमाता पूजन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रमुख अतिथि श्रीमती जेसिका रिबेलोने ध्वजारोहण किया। बच्चों ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये। कुमार आदर्श धनविजय ने अपने भाषण में कहा कि हमारे देश के स्वतंत्रता सैनिकों ने अपना तन, मन और धन सबकुछ न्यौछावर कर हमें स्वतंत्रता रूपी जो उपहार दिया है, हमें उसकी रक्षा करनी है। इस अवसर पर गत शैक्षिक वर्ष मे शैक्षिक पुरस्कार, उत्कृष्ठ छात्रा पुरस्कार आदि पुरस्कार मान्यवरों के हाथ से प्रदान किये गये।

UPL कंपनी की मार्केटिंग विभाग में कार्यरत श्रीमती जेसिका रिबेलो मुख्य अतिथी के रुप मे मौजूद रहीं। उन्होने इएसी ॲग्रीकल्चर के पश्चात MBA in Agriculture Business Management किया है। गत १५ साल से मार्केटिंग, सेल्स, कम्युनिकेशन एवम् कॉर्पोरेट ब्रांडीग स्टॅटेजी क्षेत्र मे कार्यरत है। उन्होने अपने भाषण में कहा कि गणतंत्र का अर्थ है देश में सभी देशवासियों के लिए समान व्यवस्था और कानून स्थापित करना, हमारे देश में सभी धर्मों, संप्रदायों का समान अधिकार और स्थान है। हम सब को अच्छा नागरिक बनकर देश की सेवा करनी चाहिए।

प्रधानाचार्या अनघा मांडवकर जीने आज के दिन का महत्त्व बताते हुए कहा कि भारत आज का गणतंत्र दिन ''नारी शक्ति'' संकल्पनापर मना रहा है। राजपथ पर आज जो विविध संचलन होंगे वह महिला नेतृत्व में होंगे। मेजर खुश कुवर आसाम रायफल इस पॅरामिलिटरी फोर्स की टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। कॅप्टन शिखा सुरभी भारतीय सेना के डेअर डेविल्स की प्रथम सदस्या हैं वे, राजपथ पर मोटरबाईक स्टंट्स करनेवाली टुकड़ी का नेतृत्त्व करेंगी। लेफ्टिनंट भावना कस्तुरी इंडियन आर्मी सर्विस कॉर्प का नेतृत्व करेंगी तथा कॅप्टन भावना स्थाल टान्सपोर्टेबल सॅटलाईट टर्मीनल का नेतृत्व करेंगी। इससे हमे प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम का नियोजन श्रीमती रत्नप्रभा रहाटे जी ने किया। कार्यक्रम का संचलन श्रीमती मनिषा जाधव जी ने किया।

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन के छात्रों को मिली शिवयोग कृषी की दीक्षा

आज कई किसान अच्छी फसल न होने की वजह से खेतों में लगातार रासायनिक कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से जमीन ज़हरीली होती जा रही है। इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव मानव व पशुओंपर पड़ रहा है। वही दूसरी ओर शिवयोग माईंडफुल फार्मिंग के डॉ अवधूत शिवानंद जी खेती को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को इस दिशा में रोज़गार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कॉस्मिक एनर्जी (ब्रह्मांडीय उर्जा) से खेती पर बल दिया है। उनका मानना है कि शिव योग के माध्यम से बिना रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाओं का प्रयोग किए अच्छी फसल ली जा सकती है।

शिवानंद कहते हैं कि शिवयोग ऐसी योग पद्धति है जिसमें पानी का भी कम प्रयोग होता है। यह सब प्राण उर्जा से संभव हो पाता है। शिवयोग कृषी से केवल २१ दिन में खेत केचुओं से भर जाते हैं।

शिवयोग माईंडफुल कृषी में डॉ अवधूत शिवानंद द्वारा कृषि तंत्र निकेतन के छात्रों के लिए दीक्षा देने का उपक्रम दिनांक १२ जानेवारी २०१९ को राष्ट्रीय युवा दिन के अवसर पर किया गया। आंतरिक शक्ति को सूर्य के किरणोंके ज़रीए योग व ध्यान के माध्यम से खेतों में प्रवाह किया जाता है। उससे खेतों में कॉस्मिक ऊर्जा का संचार होता है। उससे जो फसल पैदा होती है उससे अमृततुल्य भोजन प्राप्त होता है। इस कार्यक्रम में श्री खाडीलकर जी ने कृषी छात्रों को दीक्षा दी। सभी छात्र, शिक्षक एवं वनौषधी के ठेंगुड़कर दापंत्य ने इसका लाभ उठाया।

०००

केशवसृष्टि के पर्यावरण आयाम के रूप में

केशवसृष्टि माय ग्रीन सोसाइटी

का शुभारंभ

केशवसृष्टि माय ग्रीन सोसायटी उपक्रम के पंच सूत्र

१. मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई इन शहरों को कचरा मुक्त करना ।

२. इन शहरों की नदीयों को फिरसे पुनर्जिवित करना।

३. कचरे के नियोजन और पर्यावरण के बारे में जनजागृति निर्माण करना।

४. पर्यावरण को हानी पहुचानेवाले ग्रीनहाऊस गॅस व कार्बन फुटप्रिंट को कम करना।

५. देश के बाकी शहरों को कचरा मुक्त बनाने के लिये आदर्श मोडेल का निर्माण करना।

केशवसृष्टि के पर्यावरण आयाम के नाते माय ग्रीन सोसाइटी ने प्रथम देश के सामने प्रस्तुत इन प्रश्नों का काफी गहराई से अध्ययन किया । तब पता चला प्रश्न तो गंभीर है लेकीन इस के उत्तर काफी आसान है। देश का हर नागरिक अपने काम को या अपने दायित्व को अगर समझे तो यह अस्वच्छता का दाग हम आसानी से मिटा सकते हैं।

माय ग्रीन सोसायटी ने 'वेस्ट टू कंपोस्ट' अभियान के माध्यम से किया सामाजिक प्रबोधन !

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई शहर को कचरा मुक्त बनाकर कचरे के समस्या को हल करने के लिए माय ग्रीन सोसायटी ने वेस्ट टू कम्पोस्ट इस अभियान की शुरवात की। इस अभियान का मुख्य लक्ष था नागरिकों के बिच जाकर समाज प्रबोधन करना । नागरिकों को कचरा व्यवस्थापन के विषय में जानकारी देना और उन्हें कम्पोस्टिंग करने के लिये प्रवृत्त करना।

यह हमेशा देखा गया है, की आप कोई अच्छा कार्य करना शुरू करते ही समाज से अपने आप अच्छे लोग जुड़ जाते हैं। वैसे ही यह 'वेस्ट टू कम्पोस्ट' कचरा व्यवस्थापन जन जागरण अभियान शुरू करते ही समाज से अनेक सामाजिक संस्थाए, एवं अनेक समाज सेवक हमारे साथ जुड गये। इस काम मे केशवसृष्टि माय ग्रीन सोसायटी को मुख्य सहायता मिली मुंबई विद्यापीठ और मुंबई विद्यापीठ के एन.एस.एस. विभाग से। मुंबई विद्यापीठ के १६० कॉलेज में से १५,००० एन.एस.एस. विद्यार्थी कचरा मुक्ति के इस महायज्ञ में सहभागी हो गये। 'वेस्ट टू कम्पोस्ट' अभियान के लिए मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई इन ३ महानगरों को चुना गया।

कचरा व्यवस्थापन विषय पर बात करने के लिए एन.एस.एस. के विद्यार्थीओंके लिए विशेष किट तैयार किया

गया। जिस में १ पावर पॉइंट प्रेझेंटेशन, कचरे के वर्गीकरण की जानकारी देनेवाले बोर्ड, कचरा व्यवस्थापन के पत्रक, गिला-सुखा-रिजेक्ट वेस्ट के डिब्बों के लिए स्टिकर्स, सोसायटी के पदाधिकारीओं को देने के लिए पत्र तथा कार्यक्रम के बाद का फीडबैक लेटर आदि चीजे मौजूद थी। एन.एस.एस. के विद्याथीओं को जहां जरुरत होती वहां माय ग्रीन सोसायटी के अधिकारी पहुंच जाते।

विद्याथीओंने विविध सोसायटी में नोटिस बोर्ड तथा लिफ्ट में कचरा वर्गीकरण के पोस्टर्स लगाए। कुछ सोसायटी में वाचमेन लोगों ने विद्याथियोंको परेशान किया लेकिन अब ये देश की युवा पीढ़ी अपनी जिम्मेदारी समज गई थी। ये विद्यार्थी विद्यापीठ द्वारा दिए जाने वाले १० मार्क के लिए काम नही कर रहे थे। वो अपना दायित्व निभा रहे थे।

कचरा व्यवस्थापन के विषय में एन.एस.एस. के विद्यार्थियों को जोड़ने का मतलब देश के कल के पिढी को दुनिया के इस जटिल प्रश्न की न सिर्फ जानकारी देना, बल्कि इस विषय से लढने के लिये तैयार करना यह है। यही इस अभियान का मुख्य उद्देश था।

कंम्पोस्टिंग की अधिक जानकारी देने के लिये "mysreensociety.in" यह वेबसाईट तैयार बनाई गई। जहा कम्पोस्टिंग की जानकारी देने वाले कन्सल्टंट, सामग्री बेचनेवाले व्हेंडर्स, कम्पोस्टिंग की अन्य जानकारी, जो सोसायटी फिलहाल कम्पोस्टिंग कर रही है, उनकी जानकारी, कम्पोस्टिंग कैसे करे इस के व्हिडियो इत्यादी जानकारी वेबसाईट पर उपलब्ध करवाई गई। साथ ही इस अभियान से जुडने के लिये

facebook.com/zerowastemaharashtra इस पेज का निर्माण किया गया।

आशीर्वाद खाद प्रकल्प

मंदिर प्रांगण में कम्पोस्टर के माध्यम से निर्माल्य से खाद बनाना।

भारतीय संस्कृती में मंदिर/धर्म स्थान हमेशा श्रद्धा एवं आस्था के प्रतिक रहे है। सदियों से यह पावन स्थल जनजागृति व समाज परिवर्तन का कार्य करते आ रहे है। भारत में हर धर्म स्थान पर हर हफ्ते कोई दिन हर एक या दो महीने कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। भगवान के पवित्र घर को बड़े ही श्रद्धाभाव से विविध फूलों से सजाया जाता है लेकिन दूसरे दिन भगवान पर चढ़ाये यह सारे फुल कोर्पोरेशन के कचरे के डिब्बे में, सड़क के किनारे फेक दिए जाते है या नदी नालों में प्रवाहित किये जाते है। यह सारा निर्माल्य प्लास्टिक की थैली में गटर - नाले में फसकर जलभराव की स्थिति या विविध रोगों के प्रादुर्भाव बढाकर मानवी जीवन को खतरा निर्माण करते है।

माय ग्रीन सोसायटी ने शहर के गिले कचरे के १ बड़े स्त्रोत को नष्ट करने के लिए सभी धर्म, पंथ-संप्रदाय के मंदिरों को 'श्री राजस्थानी सेवा संघ' और 'इ.र.को.न. इंटरनॅशनल' कम्पनी के सी. एस.आर. फंड के माध्यम से मुंबई, ठाणे, भायंदर, नाशिक, औरंगाबाद और कशी विश्वनाथ ऐसे लगभग ६० मंदिरो में कम्पोस्टर के मध्याम से मंदिर प्रांगण में ही मंदिर के सारे निर्माल्य को खाद में परिवर्तीत कर मंदिर से निकल ने वाले कचरे को बंद कर दिया है।

मंदिर में लगे यह कम्पोस्टर मंदिर में आने वाले भाविकों के प्रति जन जागृति का काम करते है। भाविक मंदिर से कम्पोस्टिंग के प्रक्रिया की जानकारी लेकर अपने अपने सोसायटी में भी कम्पोस्टिंग कर रहे है। मंदिर से तयार हुवे खाद की गुणवत्ता भी काफी बढ़िया है। हम लोग बिना सोचे समझे इतने बहुमूल्य निर्माल्य को कचरे में फेक रहे थे।

भाविक ने मंदिर में चढ़ाये फुल को कम्पोस्ट खाद के माध्यम से सृष्टि की पुनर्रचना करने के लिए इस्तेमाल करना यानि भगवान पर चढ़ाये हुवे फुल को भगवान के पास पहुचाने का काम इस आशीर्वाद खाद प्रकल्प के माध्यम से हो रहा है।

आशीर्वाद खाद प्रकल्प

'मंदिरों में पिने के पानी का कूलर या बैठने के लिए बेंच देना अब पुराना हो गया। अब मंदिरों में कम्पोस्टर दान कर निर्माल्य का खाद बनाने का है जमाना'।

यह कम्पोस्टर मंदिर में आने वाले भक्तों को कचरा व्यवस्थापन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। साथ ही पर्यावरण की होने वाली हानी को तथा शहर में बढ़ते कचरे की समस्या को रोकने के लिए सहकार्य करेगा।

कम्पोस्टर डोनेट करने के लिए संपर्क करे ९०८२८७०९५२ / ९३२१३५६०२०

'शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान ही नहीं अपितु क्रियात्मकता है'

रामरत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय का उपक्रम

प्रकृति पोषण : कूड़ा - खाद

रामरत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय की दृष्टि ऐसे वैश्विक नागरिकों को बनाने की है जो संवेदनशील और आत्म विश्वास से भरे व्यक्ति हों और अपने ज्ञान से दुनिया में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हमने छात्रों को केवल सैद्धांतिक और परीक्षा आधारित शिक्षा तक ही सीमित नहीं किया है। छात्र विद्यालय द्वारा किए गए विभिन्न परियोजनाओं का एक हिस्सा हैं जो उन्हें दुनिया का एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हुए उनमें नैतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को स्थापित करेगा। पर्यावरण के प्रति संवदेनशीलता विकसित करना समय की आवश्यकता है और हम छात्रों को पर्यावरण से सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों में सम्मिलत कर रहे हैं जो उन्हें न केवल समस्याओं को समझने में मदद करेंगे बल्कि समस्याओं का समाधान भी देंगे।

छात्रों का सक्रिय रूप से आवासीय जगहों में खाद सत्र, पुनः उपयोग और रीसायकल गतिविधियों जैसे - छात्रों द्वारा बनाया गया खाद गड्ढे में डालना और कई अन्य क्रियाकलापों पर कार्य किया गया है। माइ ग्रीन सोसाइटी (केशवसृष्टि की एक इकाई) के सहयोग से विद्यालय द्वारा प्रकृति पोषण नामक नई पहल की गई है जो पूजा स्थलों पर कचरे को खाद में परिवर्तित करने के लिए है। इस परियोजना का पहला चरण १२ सितम्बर २०१८ को प्रारम्भ हुआ।

परियोजना के लिए 'प्रकृति पोषण' की प्रस्तावना लगभग एक महीने पहले शुरू हुई जहाँ परियोजना के बारे में छात्रों को **'माइ ग्रीन सोसायटी'** के श्री निलय जी द्वारा जानकारी दी गई थी । छात्रों को अपने आसपास के क्षेत्रों में मन्दिरों से सम्पर्क करने और मंदिरों के ट्रस्टियों के नाम तथा फोन नम्बर एकत्रित करने के लिए कहा गया। तदुपरांत ट्रस्टियों से सम्पर्क करके उन्हें विद्यालय में आमंत्रित किया गया। तथा उनके साथ बैठक करके उन्हें इस परियोजना की जानकारी दी गई । उन्हें बताया गया कि जो हम भगवान पर श्रद्धा तथा विश्वास के साथ फूल-माला प्रसाद आदि अर्पित करते हैं दिन के अंत में वे सब गीले कचरों के ढेर बन जाते हैं। इन कचरे को मन्दिर के ही पास के स्थानों पर फेंक दिया जाता है, जिन्हें नागरपालिका के ट्रक नियमित आधार पर उठाकर ले जाते हैं और उन्हें अनुपयोगी भूमि तथा जल निकायों जैसे स्थानों पर फेंक देते हैं। वे सब इस हरित नवाचार के लिए हमारे साथ हाथ मिलाने के लिए प्रेरित हुए जिससे कचरे को परिसर में ही खाद के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है और पर्यावरण की कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इन्हें एक फॉर्म दिया गया था, जिसमें उन्हें मंदिरों में फूलों और अन्य जैविक प्रसाद के रूप में उत्पन्न होनेवाले कचरे का विवरण देना था। अंत में कम्पोस्टरो को मंदिरों को उपहार में दे दिया गया। चार कम्पोस्टरों को चार मंदिरों को उपहार में दे दिया गया - तीन भायंदर पश्चिम में तथा एक मीरा भायंदर में दिया गया। छात्रों ने मंदिर के देखभालकर्ताओं को कचरे के सूखे, गीले, पुनर्नवीनीकरण और खारिज किए गए कचरे के अलागव के विषय में बताया । कक्षा नौवीं के छात्रों ने खाद मशीन की संरचना और काम करने के तरीके को प्रस्तुत किया। उन्होंने उन्हें निर्देशित किया कि मन्दिर के कचरे को खाद में कैसे बदला जा सकता है । छात्रों ने बताया कि कैसे इस परियोजना का हिस्सा होने से प्रकृति के चक्र को पूरा कर सकते हैं। जो मिट्टी से आता है और कचरे को खाद में परिवर्तित करके मिट्टी में चला जाता है । तैयार की गई खाद वास्तव में भगवान का आशीर्वाद होगा क्योंकि यह पर्यावरण के लिए लाभदायक है और इसका उपयोग आसपास के पौधों के लिए किया जा सकता है।

यह परियोजना का अंत नहीं है, छात्र नियमित रूप से कम्पोस्ट को उपयोग करने वाले मंदिरों से एक अनुवर्ती कार्यवाई करेंगे । यह सिर्फ एक शुरुआत है, हम इस परियोजना के साथ भायंदर और मीरा रोड में इको-फ्रेंडली मंदिरों को बनाने की कोशिश जारी रखेंगे, जहाँ कचरे को खाद में बदला जा सकता है।

जैसा कि कहा गया है, मैं पर्यावरण की रक्षा नहीं करना चाहता - मैं एक ऐसी दुनिया बनाना चाहता हूँ जहाँ पर्यावरण की रक्षा करने की आवश्यकता नहीं हो।

हम राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय में हमेशा इन्हीं भावनाओं को विकसित करने का प्रयास करेंगे।

सावित्रीबाई फुले महिला एकात्म समाज मंडळ, संभाजीनगर आणि 'केशवसृष्टी' भाईदर संचालित आशीर्वाद प्रकल्प

संभाजीनगर (औरंगाबाद) शहर गेल्या कांही महिन्यांपासून 'कचरा-कोंडीचे' शहर म्हणून ओळखले जाऊ लागले आहे. शहराच्या पर्यावरणाचे रक्षण व संवर्धन यात सक्रिय संस्था, सावित्रीबाई फुले महिला एकात्म समाज मंडळ आणि शहरातील विविध मंदिरांचे विश्वस्त यांनी शहराच्या पर्यावरणाच्या प्रश्नी आपले योगदान देण्यासाठी या प्रमुख मंदिरांत जमा होणाऱ्या निर्माल्यापासून खत बनवायचे ठरविले. मुंबईच्या 'केशव-सृष्टी' संस्थेने या विषयावर मुंबईत भरीव काम उभे केले होते. सावित्रीबाई फुले मंडळाने त्यांना विनंती केली आणि त्यांनी या विषयावर संभाजीनगर शहरात निर्माल्यापासून खतनिर्मितीची १० संयंत्रे देऊ केली.

मंडळाने कांही पर्यावरणप्रेमी नागरिकांच्या सहकार्याने प्रमुख मंदिरांच्या विश्वस्तांच्या बैठकी घेतल्या आणि या अभिनव संकल्पनेत सहभागी होऊ इच्छिणाऱ्या मदिरांची सूची केली. ऑक्टोबर २०१८ मध्ये केशवसृष्टी चे प्रकल्प प्रमुख ही सगळी संयंत्रे घेऊन स्वतः इथे आले. आणि खालील मदिरांत ही संयंत्रे बसविण्यात आली.

१. महानुभाव आश्रम- पैठण रोड
२. रामकृष्ण आश्रम- बीडबायपास रोड
३. वरदगणेश मंदिर- समर्थनगर; औरंगाबाद
४. रेणुकामाता मंदिर- जळगाव रोड, औरंगाबाद
५. ज्योती मंदिर- ज्योतीनगर
६. जागृत हनुमान मंदिर (अन्नप्रसाद केंद्र- वाळूज
७. मोहटादेवी मंदिर- वाळूज
८. स्वामी समर्थ मंदिर- वाळूज
९. सिद्धि विनायक मंदिर - त्रिमूर्ति चौक, वाळूज
१०. जैन मंदिर- वाळूज

संयंत्रे बसविल्यानंतर सगळीकडे त्यात (टम्बलर मध्ये) नेमका कोणता कचरा टाकायचा, संयंत्र कसे वापराचे याचे प्रशिक्षण डेमोसहित दिले.

सावित्रीबाई फुले मंडळाचे कार्यकर्ते प्रत्येक आठवड्यात जाऊन या संयंत्रांची पाहणी करायला लागले. कांही मंदिरांत यात निर्माल्याबरोबरच प्लॅस्टिकच्या बाटल्या इत्यादि टाकलेल्या आढळल्या. मग तेथील भाविक आणि व्यवस्थापनाची मंडळी यांचे पुनश्च प्रशिक्षण घेण्यात आले. स्वामी समर्थ मंदिराने निर्माल्यामधील दोरा, प्लॅस्टिक इत्यादि बाजूला काढून मगच टाकायला सुरुवात केली. हळूहळू इतर मंदिरांनी पण त्यांचे अनुकरण केले. आता यातील कुठल्याही संयंत्रात प्लॅस्टिक कॅरिबॅग्ज किंवा बाटल्या कोणीही टाकत नाही.

या सगळ्या मंदिरांचे वैशिष्ट्य म्हणजे तिथे नेहमी भाविकांची मोठी गर्दी असते. मोठ्या प्रमाणात निर्माल्य जमा होत असते. त्यामुळे निर्माल्यापासून खत बनविण्याचे संयंत्र मंदिराने ठेवले आहे, याचे सगळीकडे भाविकांनी स्वागत केले. रेणुका माता मंदिराच्या व्यवस्थापकांनी संगितले की अनेकांनी या संयंत्राविषयी उत्सुकता दाखविली व व्यवस्थापनाकडे चौकशी केली. अनेक भाविकांनी यात तयार होणारे खत घरातील बागेसाठी विकत घेण्याची तयारी दाखवली आहे पण आम्ही हे खत न विकता ते प्रसाद म्हणून वाटणार आहोत, असेही त्यांनी आवर्जून संगितले.

नागरिकांमध्ये पर्यावरणाविषयी जागृती निर्माण व्हावी हा महत्वाचा उद्देश सफल होतो आहे, हे नक्की.

स्वामी समर्थ मंदिरवाळूज येथे बालसंस्कार केंद्र चालते. या केंद्राच्या माध्यमातून दर रविवारी ३०-३५ मुले हारातील दोरावेगळा करतात. तसेच निर्मलाचे ओल्या, सुक्यात वर्गीकरण करून ते टम्बलर मध्ये टाकतात. डिसेंबर अखेरपर्यन्त त्याचाकडे ३५ कि.ग्रॅ. खत तयार झाले. हे सगळे करीत असतांना मुलांमध्ये पर्यावरण विषयी जागृत निर्माण झाली व संघटित पणे काम करण्याचे संस्कार त्यांच्यावर करता आले असे तेथील आयोजक म्हणाले.

सिद्धि विनायक मंदिरवाळूज येथील वॉचमन काका टम्बलरचा वापर करतात. त्यांनी संगितले की मंदिर परिसरात असलेल्या एका लिंबाच्या झाडाला गेल्या ७-८ वर्षापासून कधी एकही फळ लागले नव्हते. परंतु मागील महिन्यात आम्ही याला टम्बलर मधील खत दिले. आता झाडाला ७.८ फळे आलेली आहेत.

मंदिरांच्या पुढाकाराने पर्यावरणाचे संरक्षण व पर्यावरण पूरक जीवनाचा 'आशीर्वाद' देणारा हा प्रकल्प संभाजीनगरमध्ये चर्चेचा विषय ठरतो आहे.

०००

A Shredder Machine is given to Suraj ba Vidya Mandir by My Green Society.

RESPONSE FORM SHRI. VIKRAM PATEL, SECRETARY

JOGESHWARI KELAVANI MANDAL

(Regd. under the Societies Act. 1860 No. Bom. 63/66 166)
(Regd. under THe Bombay Public Act. 1960 No. 1415 (Bom).
The Hindu Friends' CHS LTtd. Natwar Nagar Road, No. 3, Jogeshwari (E), Mumbai - 400 060.
E-mail : smt_surajba@yahoo.co.in | Website : www.surjabavidyamandir.org / Tel. No. 28246853 28383611

Donation of Compost and Shredder Machine (Excel-ORCO) to Smt Surai ba Vidva Mandir

We acknowledge the benefits and awareness you have extended to our school and children by donating the captioned item.

Your session on the different methods of segregating the waste in our locality was of immense value It has created awareness and sense of responsibility among the students.

We proudly state that our students are also involved in Greenline Project to save the environment. It has truly motivated our students to become the ambassadors of our school to adopt the habit in their day to day life and create awareness among others.

We thank you for donating the machine and the value addition you could bring in a culture to support the environment.

Vikram Patel, Secretary

पर्यावरण दक्षता मंडळ, ठाणे आणि 'केशवसृष्टी' भाईंदर संचालित

'आशिर्वाद प्रकल्प'.

ठाणे महानगरात घनकचरा व्यवस्थापनाचे विविध प्रकारचे प्रयोग सातत्याने होत असतात. त्यामधील यशस्वी प्रयोग हे प्रकल्पांमधे रुपांतरीत होतात. या कचरा व्यवस्थापन व स्वच्छता अभियानात सातत्याने काम करणाऱ्या पर्यावरण दक्षता मंडळाला मुंबईच्या केशवसृष्टीने मंदिरातील निर्माल्याचे खत बनविण्यासाठी तांत्रिक सहकार्य व मदत देण्याचे आश्वासन दिले. त्या अनुसार ठाण्यातील वीस ते बावीस मंदिरांपर्यंत ह्या योजनेची माहिती पोहचवण्यात आली. आणि आजपर्यंत त्यामधील चार मंदिरामधे ही संयंत्रे बसविण्यात आली.

१. उपवन गणपती मंदिर, ठाणे.
२. परमार्थ निकेतन, म्हाडा कॉलनी, ठाणे.
३. ज्ञानेश्वर मंदिर, पांचपखाडी, ठाणे.
४. विठ्ठल सायन्ना मंदिर, ठाणे.

या संबंधित सर्व मंदिरातील व्यवस्थापक, पुजारी व स्वयंसेवकांना हे संयंत्र वापरण्याचे प्रशिक्षण देण्यात आले. या सर्व ठिकाणी निर्माल्याचे योग्य वर्गीकरण करुन प्लॅस्टीक, हारातील प्लॅस्टीकचा धागा, लाकडी फ्रेम वा काचा, कागद, पॉलीथीन ह्या सर्व वस्तू निवडून काढून फक्त निर्माल्य ह्या संयंत्रामध्ये टाकले जाते. प्रसाद वा इतर खाण्याच्या वस्तू वगैरेही वेगळे काढले जाते. नियमितपणे आमचे स्वयंसेवक या संयंत्रांच्या वापराचा पाठपुरावा करत आहेत आणि त्यांना येणाऱ्या समस्या दूर करीत आहेत. ठाण्यामध्ये केंद्रीभूत पध्दतीने या निर्माल्याचे कंपोस्टींग केले जायचे. परंतू त्यासाठी स्वयंचलीत वाहन व त्याच्या इंधनाचा खर्च तसेच अधिक मनुष्यबळ लागते. ते सर्व या प्रकल्पामुळे वाचले.

परमार्थ निकेतन मधे भाविकांच्या सहभागातून हे संयंत्र चालविले जाते. यातून आजूबाजूच्या इमारतींमधेही कंपोस्टींगसाठी जाणीव जागृती होऊ लागली आहे. अजून भविष्यात ठाण्यातील इतर मंदिरांच्या संचालकांनाही ही संयंत्रे दाखवून या प्रकल्पात सहभागी करुन घेण्याचा प्रयत्न आम्ही करणार आहोत.

इरकॉन इंटरनेशनल की ओर से 'माय ग्रीन सोसायटी' को सीएसआर के अंतर्गत निधी का वितरण

प्रगति की ओर अग्रसर
Urge to stay Ahead
इरकॉन इन्टरनेशनल लिमिटेड
सिविल, मेकैनिकल, इलक्ट्रिकल, कम्यूनिकेशन्स् और टर्नकी कान्ट्रैक्टर्स
(भारत सरकार का उपक्रम)

IRCON INTERNATIONAL LIMITED
Civil, Mechanical, Electrical, Communications and Turnkey Contractors
(A Govt. of India Undertaking)

IRCON/CO/CSR CELL/NGO/6/Keshav- Srushti/2018-19/Vol. I/

1st June 2018

Mr. Nilay Chaubal,
CEO, Keshav Srushti
UTTAN, GORAI ROAD,
BHAYANDER (W), DIST. THANE- 401106.

Sub : "Waste-to-Compost Program in pilgrimage of Mumbai, Maharashtra Under My Green Society Initiative" - **Regarding Approval**

Ref : Your proposal submitted vide e-mail; dated 24th April 2018

Dear Sir,

Kindly take the reference of the subject mentioned CSR proposal submitted vide ref. above. The same was placed before the Board level CSR & Sustainability Committee in its 24th meeting held on 27th April 2018 for discussion of the committee members.

After the discussion on the above said CSR proposal, the same has been approved by the Committee for a total sanctioned cost of **Rs. 40.OO lakhs** to be implemented in **4O pilgrimages of Maharashtra** during the year 2018-19.

In this regard, it is informed that the implementation shall be done by signing the MoU between IRCON and M/s Keshav Srushti which is as per the usual practices for the implementation of such CSR Projects.

For any query /clarification, may please contact **Ms Aakanksha Tiwari, CSR Manager on Mob: 9818484696.**

Regards,

(Anupam Ban)
Chief General Manager (HRM) &
Nodal officer for CSR & Sustainability

“ Don't change your lifestyle by reducing use of plastics.

Rather upgrade your lifestyle by taking care of Mother Nature. ”

- Mr. Avineesh Matta
Chairperson, CSR Committee, IRCON

Keshavsrushti - My Green Society is happy to receive CSR Funding support from IRCON International Ltd. Since June 2018, My Green Society has installed machines in several pilgrimages of Maharashtra to convert their waste in to compost.

We are happy to publish interviews of Mr. Avineesh Matta, Chairperson, CSR Committee of IRCON and Mrs. Anupam Ban, CGM, Human Resources, ICRON

*** This is to inform you that Keshav Srushti is working for protection of environment. Please share your views regarding waste management, tree plantations, solar energy and other means of protecting Ecology.**

While perusing the proposal of Keshav Srushti of setting up project for incinerating the flower offerings at various religious places, my first abreast to Keshav Srushti happened. And composting these pilgrimage offerings as useful manure incited me. The proposal seemed to be inspirational in the sense, it was like creating a striking-balance between religious sentiments of the worshippers and preventing ecological degradation at the same time. We, most of the times, observe that the floral offerings are either consigned to the rivers, rivulets or canals and often along-with the polyethylene bags. We almost have forgotten that we are the trustees for our next generations and it is not our absolute and unfettered right to use the natural resources or for that matter create ecological nuisance and degrade Mother Nature. Industrial Development has given us various material things to make our life a lot easier and the kind of lifestyle we are now used to, it seems really difficult, rather nearly impossible to stop usage of certain items like plastics. Now we need to reorient our activities to reduce usage of

certain items which are harmful to nature.

On carbon emission and its impact on environmental degradation by burning of wood or biomass, people have started debating, whether is it not a good idea again to start doing so? Waste wood otherwise shall be infected by insects and may have adverse effect on the components of other plant kingdom. It is said that biomass burning produce coarse particles in air say of PM 10 and can travel as little as a hundred meters or as much as 50 Kms. PM 2.5 particles go even farther; many hundreds of kilometers. So biomass burning particle settle in small area due to weight and not spoil the environment. PM 10 particles in small numbers are not dangerous for human. Fine PM 2.5 particles produced from Oil & Gas are very dangerous to human, spread over large area and hang in large atmospheric area. Biomass burning do not produce gases such as Sulphur Dioxide, Methane, Ammonia like fossil fuels. So do we switch to biomass for energy? Then how to strike a balance? Grow much more trees, the effect of which shall be seen after two decades and not before. But the best is people have started discussing in the normal course.

I read the other day, that a study by Central Marine Fisheries Research Institute revealed, there is higher concentration of waste plastic in fishing grounds, off the coast of Mumbai at 131.85kg per sq. km. as compared to 4.95kg per sq. km. in Visakhapatnam and 1.55 kg per sq.km in Kochi. It is well known that the marine life is going to suffer a lot if the same rate of ecological degradation of sea continues. This in turn is going to affect the livelihood of the fishermen. If ultimately development is to make the next generation suffer, then what is the rationale of such development. Whole of this eco-system is therefore intertwined. Human life and Nature have to have sync. Absolutely there could no two opinions about sustainability of life vis-à-vis managing solid waste, growing trees and using alternative modes of energy. And, I find people are becoming more conscientious about the environment protection and have started using alternates to plastics, fossil fuel, etc. But still lot more needs to be done.

*** How do you think NGOs and Corporates together can try to resolve the issues related to environment. What can be done through educational institues?**

I think the concept of social accountability of businesses is not very new. As a student of corporate strategies in management some 40 years back, the subject of Corporate Responsibility was do talked about. However, it went just into oblivion and ignored by the businesses in pursuit of profit maximization. Now with CSR spending by corporates becoming part of law and the professionalism donning the NGO sector, lot of issues can be handled with jointly. NGOs are tied to the ground realities and have better outreach to the

CONGRATULATIONS

Prof. Vasudha Kamat deserves to be congratulated since it was under her leadership as CSR Committee Chairperson, the CSR initiatives of IRCON got recognised by ET and was awarded. The kind of steering she did for the CSR Committee, it was awe-inspiring.

-Avineesh

communities they work in due to the trust these NGOs wield with continuous interface, while corporates have limited access or they are more efficient in handling businesses than creating pure social interfaces. However, corporates now do take into consideration social or environmental impact while taking up any major business decision. One way to involve NGO sector with corporates is to have on board, the professionals with keenness and background of hands-on ground experience in working on social causes through NGOs. Lot many now, also find place in CSR Committees of Boards. NGOs also have field level research exposure due to need assessment of various communities they appraise, these Research Reports and Outcomes may be made available as part of a repertoire which may be useful for the corporates in business decisions. Other way could be to have field surveys done through NGOs by a corporate or to carry out a pilot project. For example, when launching a new cook stove in deep rural area the enterprise may use the services of the NGO which has a presence in that particular area to carry out a pilot study for environment impact of the new proposed launch. Both gain in the process.

Educational institutes are the harbinger of mainstreaming the enlightened human force, especially in country like ours that has the largest young population. In the last couple of decades, I have seen children now talking about and are concerned with environmental issues. Even in daily life, children do ask parents to cut down on travel by car or they, themselves use metro or public transport conscientiously and by choice. The educational levels of a particular region it seems also make a difference, for example, if the far lower plastic concertation in Vishakhapatnam as compared to Mumbai, be attributable to better literacy rate or higher educational prowess of that region, if the answer is yes, then surely educational institutions have a far greater role to play. A lot of credit therefore goes to the educational institution and the teachers there, who encourage young minds to think on these issues of ecological sustainability.

*** Active participation of people is necessary for any successful implementation of public policy. What should be done for public awareness as far as environment is concerned?**

Common people and policy makers both need to come forward and think alike. Recently the cabinet cleared Coastal Regulation Zone notification that allows construction upto 50 meters of the high tide line, thereby relaxing the earlier dispensation considerably. Though the move shall allow higher real estate and tourism development but it shall have an adverse impact on ecology. Fishermen it seems are up in cudgels and have warned government that the move shall make the coastline vulnerable to environmental disasters. Public participation in policy making is indispensable for its acceptability. NGOs have played a very important role in creating awareness amongst masses, creating apt public perception and swaying policy makers in not coming out with a policy that is not for public good. Now that people are becoming much aware about environmental issues, you find a greater number of PILs being filed by NGOs, wherever it is felt that the policy proposed or implemented is not in line with environmental sustainability.

"Supporting clean technologies and increasing efficient use of resources and their sustainable use in Indian context is one of the main focus of our organization."

- Mrs. Anupam Ban,

CGM, HRM, IRCON & Nodal Officer for CSR & Sustainability

*** Please share your feelings when you received the ET award for best CSR practices.**

It came as a welcome surprise, it is quite empowering to be acknowledged and recognized by independent organization and be credited for the hard work tirelessly put in by the team at IRCON with a supportive top management enabling and taking an interest in the work of the CSR department and not just rubber stamping the projects and writing off the expenditure as just a regulatory mandate.

*** Today, preserving Ecology and environment is the subject of top priority for the entire world. What according to you should be the action plan in cities like Mumbai?**

Mumbai and other Indian cities have grown into mega cities. With more than 44,500 people per square kilometer mumbai is at the forefront of issues plaguing megacities. There have been increasing report of encounter with wildlife and human-animal conflicts will grow as we expand urbanize former wild /unincorporated areas into municipalities.

While efficient movement of people and goods into urban center is an age old problem that has been tacked by various measures but the answers are not as glamorous as a hyperloop or electric car charging infrastructure What is need is strengthening of high capacity infrastructure, anything that de-incentivizes personal transport within city limits, urban rails and high capacity buses that take people into the heart of city and suburbs where the residential neighbourhoods and farms coexist are one way to solve the crisis our citizens are facing.

Looking forward on demand transport and sustainable electric generation with delocalized electric grids ,waste segregation along with grey water reclamation will keep our cities growing along with changing city planning around population demographics plus bringing nature into the cities is the only way we are going to create a appreciation of the environment to the next generation.

*** Any Government policy cannot succeed without active participation of people. What should be done for public awareness as far as waste management is concerned?**

We must have positive enforcements of good habits by way of teaching them at young age ,through advertising and public awareness campaigns take over a generation to have an effect on the behaviour of the society but at the grassroot level to make changes we need to have some sort of positive reinforcements like appreciation at workplace for recycling waste, participating in seminars and workshops on waste management, having a cell which monitors the wastage produced by the companies, compliance of ISO Standards etc.

*** Keshav srushti has a good network of volunteers under My Green Society. What can be done for the capacity building of such volunteers for better results?**

Awareness Campaigns for promoting the cause behind the project and door to door implementation with easy practices to produce less waste and recycling waste could be a better option to utmost utilize the resources . With the rage of Social Media, online campaigns can also have a major impact on the younger generation.

*** Please share your plans for near future to help in avoiding pollution?**

Supporting clean technologies and increasing efficient use of resources and their sustainable use in Indian context is one of the main focus of our organization. We try to promote environment sustainability

---

contd. from page 17

Interview of Mr. Avinessh Matta

*** Keshav srushti has a good network of volunteers under My Green Society. What can be done for the capacity building of such volunteers for better results?**

One way of capacity building of volunteers is to have a common platform or network of likeminded NGOs and coming out with some structured secondment modalities, whereby a volunteer gets exposure to the work done some other NGO. I think, this is possible and happening. ISRN, Indian Social Responsibility Network is one example if I may cite of. Another way could be to have closer interaction of volunteers by way of workshops or training sessions with CSR Committee Chairs of various companies and both can understand each other's perspective, strengths, possibilities and limitations too as important stakeholders in this direction.

*** What advise you would like to give to the younger generation in this regard?**

Don't change your lifestyle by reducing use of plastics, for example. Rather upgrade your lifestyle by taking care of Mother Nature and use as much biodegradable material in daily life. Whenever taking any decision, even the basic and the smallest one, before concluding just spend couple of seconds and ask, if my this decision shall be good for the environment? If the answer is no or even if ther is an iota of doubt, just change the course of your decision and go for an alternate. The present generation is much wiser.

वृक्षवल्ली आम्हा सोयरे वनचरे

केशवसृष्टि-सिटी फॉरेस्ट

जहा जंगल है वहा सिटी बन सकती है लेकीन जहा सिटी है वहा जंगल नही बन सकता। लेकिन केशवसृष्टि के पर्यावरण आयाम माय ग्रीन सोसायटी ने मुंबई शहर में कम से कम १०० जगह केशवसृष्टि - सिटी फोरेस्ट बनाने की योजना बनाई है। आज के टेक्नोलोजी के युग में विविध प्रकल्पों के लिए वृक्ष तोड़ कि जा रही है। जिस का खामयाजा गरीब बेजुबान पंछी - जानवरोंकों भुगतना पड़ता है। बेदरकार वृक्षतोड़ के कारण प्रकृति का समतोल बिगड रहा है। वातावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है।

केशवसृष्टि का 'माय ग्रीन सोसायटी' ने शहरों में होने वाले प्रदुषण को रोक लगाने के लिए जापान के वनस्पति शास्त्रज्ञ श्री अकिरा मियावाकी जी द्वारा विकसित सिटी फारेस्ट पद्धतीसे इस साल मुंबई शहर में १०० जगह पर सिटी फारेस्ट निर्माण करने का संकल्प किया है।

सामान्यत: १ घना जंगल निर्माण करने के लिए २०० साल का कालावधी लगता है लेकिन इस पद्धतीसे अगले २० से ३० साल में ही २०० साल के कालावधी में निर्माण होने वाला घना जंगल निर्माण होगा। जंगल निर्माण करने के लिए पर्याप्त जगह की ही जरुरत होती है। लेकिन शहरोंका बढ़ता विस्तार और घरोंकी बढती मांग के कारण शहरों में इतनी बड़ी जगह मिलाना लगबग असंभव है। लेकिन 'अकिरा मियावाकी' यह जपानी पद्धति से १ एकर जगह में लगने वाले पेड़ हम सिर्फ कुछ गुंठे की जगह में लगा सकते है। इस जंगल में लगे यह पेड़ बाकि पेडों की तरह जमींन के समतल न बढ़ते हुवे सीधे आसमान के तरफ ऊँचे बढ़ते है।

संत तुकाराम महाराज के 'वृक्ष वल्ली आम्हा सोयरे वनचरे' इस अभंग के अनुसार संसार में सभी वृक्ष वेली-वनस्पती तथा वन्य जीव हमारे परिवार के सदस्य है। और ये सच भी है सभी धर्मों में, पंथों मे सभी पंथ संप्रदायों में महान संतोंने वृक्ष के महत्व विविध ग्रंथो में लिखा है। वृक्ष ही प्रकृति के मुख्य आधार स्तंभ है। वृक्ष है तो पर्यावरण है और पर्यावरण है तो ही जीवसृष्टि है।

Interview of - Mrs. Anupam Ban,

contd. from page 19

through not only internal but external operations at our project site as well. Besides above, we encourage CSR Projects focusing on environment protection.

*** What advice you would like to give to the younger generation in this regard?**

We need to be mindful in our consumption as every action of consuming goods or service has an impact on the earth and the well beings of other on this planet

While realistically it is not possible to not have a negative impact on the environment due to our actions we must think about the choices we make, using a jute bag for shopping rather than plastic is one example minimizing waste as much as possible in our daily operations is another example both these actions will reduce your personal carbon footprint and you can with these minor choices help the environment. As a corporate, IRCON not only promotes Environment sustainability through its CSR activities but through voluntary activities like Swachhta Diwas , Plantation activities etc. One needs to develop the ownership for the cause before working towards it.

अकिरा मियावाकी पद्धतीसे मुंबई शहर व उपनगर भाग में भारतीय औषधी वृक्ष, वेली, तथा विविध वनस्पतींओं के सहाय्य से घनदाट जंगल तयार किये जा सकते है। भारतीय वंश के और ध्यान से चुने तथा लगाये गए वृक्षों के यह जंगल शहरों में बढ़ते प्रदूषण को रोक लगाकर शहरों के ढलते पर्यावरण का संवर्धन करने में मदत करेंगे। शहरों में बने यह नये जंगल विविध पक्षी, अनेक प्रजतियों के तितलियों का, नया आवास बनेंगे। हर साल यह डेन्स फारेस्ट हजारो लाखों टन ऑक्सिजन की निर्मिती कर कार्बनडाय ऑक्साईड वायू का प्रमाण कम करने में सहकार्य करेंगे।

मुंबई शहर के बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में लेते हुवे मुंबई शहर की श्वसन यंत्रणा को ठीक करने वाली यह शहरी जंगले शहरों के विविध स्थानों में तयार करना यह आज के समय की जरुरत है। शहरो में अनेक छोटे भूखंड उलब्ध है जिन पर कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। लेकिन खाली भूखंडो पर जो की आकार में कम से कम १००० घन मीटर का हो पर ऐसे छोटे भूखंड पर छोटे डेन्स फारेस्ट का निर्माण किया जा सकता है।

केशवसृष्टि - सिटी फारेस्ट के अंतर्गत पहले मिनी डेन्स फारेस्ट का निर्माण शहीद स्मृति मैदान, उन्नत नगर २, गोरेगाव पश्चिम में किया गया है। तथा ८ जुलाई २०१८ को केशवसृष्टि के भायंदर कैम्पस में सबेरे १०.३० से 'वट महोत्सव' का आयोजन किया गया है। जिस में केशवसृष्टि के भायंदर कैम्पस में बने ३००० घन मीटर के नए तयार किये मिनी सिटी फोरेस्ट का उद्घाटन जाने माने गायक श्री अभिजित भट्टाचार्य जी के हस्ते किया गया।

८ जुलाई २०१८ को केशवसृष्टि ग्राम योजना के द्वारा पालघर जिल्हे के वाडा तालुका में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत में १ ही दिन में २०,००० वृक्षों का वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश शहरी युवाओंको गाव से जोड़ना यह है। मुंबई, ठाणे, नवी मुम्बई और आसपास के शहरों से लगबग ५००० से भी जादा नागरिक, युवा, स्वयंसेवक वाडा तालुका के ग्रामीण भागो में जाकर अपने हाथों से वृक्षारोपण किया। इस अभियान में जादातर फलों के वृक्ष लगाये गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद स्थानिक लोग इस वृक्षों की देखभाल कर रहे हैं। साथ कुछ सालों बाद इन वृक्षों से मिलने वाले फलों से स्थानिक लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा।

तुम दिल की धड़कन में रहते हो...

- प्रसिद्ध गायक श्री अभिजित भट्टाचार्य

केशवसृष्टि ने 'माय ग्रीन सोसायटी' पर्यावरण विषयक उपक्रम के अंतर्गत शहरों में होने वाले प्रदूषण को रोक लगाने के लिए इस साल मुंबई शहर में १०० सिटी फोरेस्ट निर्माण करने का संकल्प किया है। जिस के पहले सिटी फोरेस्ट का उदघाटन दिनांक ८ जुलाई को सुप्रसिध गायक माननीय श्री अभिजित भट्टाचार्य जी के हस्ते हुआ। केशवसृष्टि परिसर, सिटी फेरेस्ट और अन्य प्रकल्प जैसे राम रत्नाविद्या मंदिर, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, और गौशाला को देखकर अभिजित जी तो दीवाने हो गए। जोरदार वर्षा के बावजूद अभिजितदा ने पूरे परिसर की पख्रिमा कर के सारी जानकारी हासिल की। और सिटी फोरेस्ट में अभिजित जी, महापौर डिम्पल मेहता जी, एच.डी.एफ.सी. लाइफ कंपनी के सि.एस.आर. टीम से श्रीमती शाहिस्ता जी और केशवसृष्टि की पूर्व अध्यक्ष्या-आदरणीय डॉ अलका ताई मांडके जी के हस्ते वृक्षरोपण भी किया गया।

इस उदघाटन समारंभ में सुप्रसिद्ध गायक श्री अभिजित जी के साथ, मीरा भायंदर शहर की महापौर श्रीमती डिम्पल मेहता जी, भा.ज.पा. मीरा-भायंदर के जिल्हाध्यक्ष श्री संतोष म्हात्रे जी, केशवसृष्टि की पूर्व अध्यक्षा - आदरणीय डॉ अलकाताई मांडके जी, कार्यवाह - श्री विनय नत्थाणी जी, सह कार्यवाह - श्रीमती. सुचित्रा इंगळे जी, कोषाध्यक्ष - श्री अनुपम शुक्ल जी, श्री. दाऊदयाल शर्मा जी, केशवसृष्टि सिटी फोरेस्ट की पालक - डॉ. अस्मिता हेगडे जी, डॉ. सुशिल अग्रवालजी, माय ग्रीन सोसायटी के प्रमुख - श्री सुशिल जाजू जी, नेचर फॉर एव्हर संस्था के प्रमुख और सिटी फारेस्ट के रचनाकर - श्री महम्मद दिलावर जी, एच.डी.एफ.सी. लाइफ कंपनी के सी.एस.आर. टीम से श्रीमती शाहिस्ता जी, श्री दीपक जी और केशवसृष्टि के अन्य पदाधिकारी व सभी प्रमुख कार्यकर्त्ता गण उपस्थित थे।

राम रत्ना विद्या मन्दिर में मनाया गया मकर संक्रान्ति का पर्व

मकर संक्रान्ति का पर्व इस वर्ष का पहला पर्व है। यह पर्व प्राचीनकाल से मनाया जाता है। सूर्य की एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना ही संक्रान्ति कहलाता है। मकर संक्रान्ति का मतलब है कि जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है, तब यह पर्व मनाया जाता है। यह संस्कृति और सभ्यता का प्रमुख पर्व है।

रामरत्ना विद्या मन्दिर में यह पर्व बड़े ही उत्साह से मनाया गया। पर्व का प्रारम्भ प्रार्थना सभा में माँ सरस्वती तथा गुरु की वन्दना करके किया गया। श्रीमती रूपाराय, श्रीमती दीपाली बोदले तथा आचार्य लक्ष्मीकान्त मिश्र ने मकर संक्रान्ति के महत्त्व को सविस्तार बताया कि मकर संक्रांति का पर्व विश्व में कहाँ-कहाँ, क्यों और किस प्रकार से मनाया जाता है। तिलगुड़ का वैज्ञानिक महत्त्व भी बताकर हल्दी-कुमकम का उत्सव मनाया गया। यह उत्सव विवाहित शिक्षिकाओं ने मस्तक पर हल्दी-कुमकुम लगाकर और भेंट रूप में कुछ सामग्री दी क्योंकि इस पर्व पर दान का भी विशेष महत्त्व है। मकर संक्रान्ति पर्व पर गीत का सुर, संगीत के शिक्षक श्री विशाल जी और श्री सन्देश जी ने दिया तत्पश्चात केजरीवाल स्टेडियम में पाँचों सदनों के मध्य कनकौआ (पतंग) प्रतियोगिता रखी गई। इस प्रतियोगिता में माध्यमिक स्तर में नीर सदन के रिश्व घोरी ने प्रथम स्थान और क्षिति सदन के योग संघवी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उत्तर माध्यमिक स्तर में क्षिति सदन के जय किकानी, गगन सदन के गणेश राठौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और पावक सदन के मानव बलेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जीतने वालों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर मकरसंक्रान्ति पर्व का समापन किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्रों ने केशवसृष्टि तथा वृद्धाश्रम में तिलगुड़ आदि का वितरण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भोजनालय में प्रात:काल से लेकर सायंकालीन भोजन में भी स्वादिष्ट वस्तुओं को समाविष्ट किया गया। यह विशेष कार्यक्रम विद्यालय की प्रेरणास्रोत प्रधानाचार्या श्रीमती कवितासिंह जी के सान्निध्य से और श्री रामनरेश यादव सर तथा श्रीमती दीपाली बोदले जी के संयोजन से और आवासीय सदस्यों के सहयोग से बड़ी ही सुन्दरता के साथ सम्पन्न हुआ।

ooo

हमें युवाओं की प्रतिभा को निखारना है
श्री राजीव कुमार - नीतिआयोग

रविवार २०-१-२०१९ प्रातः ९ बजे केशवसृष्टि स्थित रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में ''अटल प्रतिभा पोषण केन्द्र'' के उद्घाटन के अवसर पर श्री राजीव कुमार ने कहा कि आज मैं केशवसृष्टि के साथ जुड़ा हूँ, इस पुण्यवान धरती पर उपस्थित हूँ, यह मैं मेरा भाग्य समझता हूँ। २००३ में श्रद्धेय अटलजी ने आरएमपी का उद्घाटन किया और आज हम अटलजी के स्मरण को स्थायी बनाने के लिए एसी आरएमपी में एआयसी प्रारंभ कर रहे है यह अपने लिये गौरव की बात है। युवाओं ने देश व समाज को प्राथमिकता देनी चाहिये। ''मैं'' का विचार करें तो समाज बिखर जायेगा। ''मैं'' छोड़ देश का विचार करेंगे तो टीम इंडिया खड़ी होगी।

एक सर्वे बताता है कि विश्व में वही कम्पनी सबसे आगे बढ़ी जो मुनाफ़े के पीछे नहीं तो सामाजिक कामों में भी काम करती रही। हमें अपना जीवन बेहतर (अच्छा) करना चाहिये। अपनी सभ्यता, अपनी परंपरा में व्यक्ति और प्रकृति का समन्वय है। प्रकृति का शोषण नहीं तो दोहन करना सिखाया गया है क्योंकि इसीसे यह धरती सुरक्षित रहेगी। एआयसी में हम आम आदमी को साथ लेते हुए, प्रकृति के साथ समन्वय करके आगे बढ़ रहे हैं।

इस माध्यम से देश में एड इको खड़ा करना है। टेक्नॉलॉजी से डरने की आवश्यकता नहीं है, उसको भी साथ लेते हुए गहरी सामाजिक चेतना जगानी है।

आरएमपी में आज जो यह एआयसी प्रारम्भ हो रहा है - उसमें हमें ख़ुद अपने आप सालाना लक्ष्य तय करना है। Evaluation भी ख़ुद करना है। मेरा मानना है कि इस प्रकार से हमने काम किया तो देश में एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत होगा। जिस धरती पर यह केन्द्र प्रारम्भ हो रहा है वह भी पुण्यभूमि है।

नीति आयोग भी पूरा सहयोग करेगा - हमें श्रेष्ठ, सक्षम और स्वस्थ भारत का निर्माण करना है और इसके लिए ''अटल प्रतिभा पोषण केन्द्र'' के माध्यम से हमें युवाओं की प्रतिभा को निखारना है।

राज़मटाज़ – अभिभावक तथा छात्रों द्वारा किया गया क्रियाकलाप

हमारे बच्चे ही हमारी जीवन की जमा पूँजी है, हमारा भविष्य है। माता-पिता और बच्चों के इसी प्यार भरे रिश्ते को दर्शाने के लिए 'राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय' में दिनांक ६ अक्टूबर, २०१८ शनिवार के दिन इस विद्यालय के पूर्व-प्राथमिक कक्षा के छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए राज़ मटाज़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह एक फैशन शो प्रतियोगिता थी, जहाँ छात्रों ने अपने अभिभावकों (माता या पिता) के साथ जोड़ी में सहभाग लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, और हमारे विद्यालय की सभी पूर्व-प्राथमिक कक्षा की अध्यापिकाओं ने इसमें सहभाग लिया। कार्यक्रम की प्रस्तावना शेरॉन जी और कशिश जी ने की। उन्होंने सभी छात्रों और अभिभावकों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता का आरम्भ किया।

इस प्रतियोगिता की निर्णायिका हमारे विद्यालय की मानव संसाधन की प्रबंधक श्रीमती शेरील जी और हमारे विद्यालय की नृत्य शिक्षिका कुमारी दीपा जी को बनाया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों ने और उनके अभिभावकोंने बड़े ही जोश और उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उनके उत्साह और उल्लास से पूरा वातावरण बहुत उल्लासित और आनंदमय हो गया।

प्रतियोगिता के समापन में विजेताओं के नाम घोषित किए गए जो कि इस प्रकार है।

पहला स्थानसीनियर के.जी. के छात्र - अरहम भन्साली (और उनकी माताजी) और सीनियर के.जी. के छात्र - शौर्य चनानी (और उनकी माताजी) दूसरा स्थान जूनियर के.जी. की छात्रा - धृति जैन (और उनके पिताजी)

यह कार्यक्रम बहुत ही मनोरंजक और मज़ेदार रहा। इस कार्यक्रम में बड़े भी सब कुछ भूलकर बच्चे बन गए और उन्होंने अपने बच्चों के साथ इस कार्यक्रम का बहुत आनंद उठाया।

कार्यक्रम के समापन के पश्चात् सभी उपस्थित छात्रों ने और उनके अभिभावाकों के लिए संगीत कुर्सी जैसे मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया। उपस्थित सभी छात्रों ने और उनके अभिभावाकोंने इस खेल में भी बहुत आनंद उठाया।

कार्यक्रम के समापन पूर्व के प्रधानाचार्या श्रीमती जया पारेखजी ने विजेताओं को सम्मानित किया और सभी उपस्थित छात्रों ने और उनके अभिभावाकों संबोधित करते हुए आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम के अंत में हमारे विद्यालय के सीनियर के.जी. के छात्र, शौर्य चनानी, ने आभार ज्ञापित किया। तत्पश्चात् बहुत ही हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का सुखद समापन हुआ।

वार्षिक खेलोत्सव २०१७-१८

वैदिक काल से ही हमारे पूर्वजों ने 'निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर को प्रमुख सुख माना है। खेल अथवा व्यायाम स्वस्थ शरीर के लिए अति आवश्यक हैं अर्थात् शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल अथवा व्यायाम की उतनी ही आवश्यकता है जितनी कि जीवन को जीने के लिए भोजन व पानी की।विद्यार्थी जीवन मानव जीवन की आधारशिला है। इसी परिपेक्ष्य को ध्यानगत करते हुए राम रत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय के अष्टम खेल दिवस का समायोजन दिनांक २५ नवम्बर, सन २०१८ को केजरीवाल क्रीडांगण में किया गया।

सर्व प्रथम मुख्य अतिथि कैप्टेन संदीप मनसुखानी जी का छात्रों ने केसर-कुमकुममिश्रित तिलक लगाकर अभिनन्दन एवं वंदन किया। तदुपरांत रामरत्ना अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय के प्रबंध समिति के सदस्य, रामरत्ना विद्यामंदिर की प्राचार्या श्रीमती कविता सिंह जी, प्राचार्या डॉ. जया पारेख जी आदि महानुभावों का भी तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

विद्यालय की उपप्राचार्या डॉ स्मिता गांधी जी ने मुख्य अतिथि श्रीमान संदीप मनसुखानी का परिचय दिया। मुख्य अतिथि के पद की शोभा को सुशोभित करने वाले श्रीमान संदीप मन्सुखानी जी वर्तमान में जेट एयरवेज (इण्डिया) में सीनियर कमांडर तथा लाइन ट्रेनिंग कैप्टेन के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने 'बोइंग ७३६ ' नामक जहाज को ९००० घंटे तक उड़ाया है।

तद उपरांत विद्यालय की प्राचार्या डॉ. जया पारेख जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों, कर्मचारियों तथा छात्रों का अत्यंत विनम्रतापूर्वक स्वागत किया।

खेलोत्सव का सूत्र संचालन छात्रों ने बहुत ही सुन्दर रीति से अपने शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में किया। संचालन की भाषा हिंदी, अंग्रेजी तथा संस्कृत थी। मुख्य अतिथि जी ने मशाल, विद्यालय के खिलाड़ियों को प्रदान किया, जिसमें क्रमश: १५ छात्रों ने एक दूसरे को मशाल को हस्तांतरित करते हुए खेलोत्सव का आरंभ किया। प्राचार्या डॉ. जया पारेख जी ने मुख्य अतिथि जी को सभी सदनों के सदन प्रमुखों से परिचय करवाया।

पूर्व-प्राथमिक विभाग के छात्रों ने बीन बैग दौड़, अजगर दौड़, बाधा दौड़, आइसक्रीम दौड़ , टेनिस दौड़ , कीड़ा दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा एक से लेकर कक्षा नौवीं तक के छात्रों के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताएँ दर्शनीय रहीं। पूर्व प्राथमिक विभाग के छात्रों ने नृत्य के माध्यम से एक अद्भुत प्रस्तुती दी। कक्षा दूसरी एवं तीसरी के छात्रों ने पैराशूट की मनमोहक प्रदर्शनी दी इस पैराशूट प्रदर्शनी के माध्यम से उन्होंने तादाम्य तथा मेलमिलाप का एक अनूठा संदेश दिया ।

इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कक्षा चौथी के छात्रों ने प्राचीन खेलों में पचीसी, खो-खो, लगोरी, गिल्ली डंडा के खेलों को प्रदर्शित करके मैदान में उपस्थित सभी के स्वर्णिम समय अर्थात बाल्यावस्था की यादों को तरो-ताजा कर दिया । इसी कड़ी में छात्रों ने रंग विरंगी कपड़ों के माध्यम से बहुत-ही अद्भुत करतब दिखाकर समूहकार्य को प्रस्तुत किया । इस प्रदर्शनी में भी कक्षा पांचवी से नौवीं तक के छात्रों ने समझदारी मेलमिलाप तथा आपसी तालमेल के संदेश देकर लोगों को प्रेरित किया । टॉयकंडों प्रशिक्षक श्रीमान दयानंद शेट्टी के योजनाबद्ध तथा कुशल निर्देशन में छात्रों ने प्रशंसनीय प्रस्तुति दी। उनके सामंजस्य तथा समवेत प्रदर्शन ने दर्शकों की करतल ध्वनि को अतितीव्र बनाया । अभिभावकों के लिए भी साइकल दौड़ का आयोजन किया गया । जिसमें अभिभावकों ने अभिनन्दनीय सहभागिता दी।

उपस्थित गणमान्य अतिथियों के साथ विद्यालय की प्राचार्या जी ने सभी विजेताओं को ट्रॉफ़ी, पदक तथा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। मार्च -पास हेतु सर्वश्रेष्ठ सदन का ख़िताब आग्नेय सदन को दिया गया। सत्र २०१८-१९ के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ख़िताब नैरुत्य सदन के छात्रों ने प्राप्त किया। अगस्त्य गुहा ने 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी छात्र' का पुरस्कार कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग के लिए प्राप्त किया। कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग के लिए रिचा अग्रवाल ने 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी छात्रा' का पुरस्कार प्राप्त किया। इसी क्रम में वरिष्ठ वर्ग के लिए 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी छात्र एवं छात्रा' के लिए दिव्य पुनमिया तथा धृति अग्रवाल को सम्मानित किया गया। विजयी अभिभावकों तथा कर्मचारियों को प्रमाण पत्र तथा पदक देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि जी ने बहुत ही ओजपूर्ण वाणी से सभी को सम्बोधित किया। उन्होंने सभी छात्रों तथा अभिभावकों के साहस की सराहना की।

विद्यालय की साहित्यिक सचिव कप्तान निशिता जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्राचार्या जी ने औपचारिक रूप से वार्षिक क्रीडा दिवस के समापन की धोषणा की। अंत में सभी ने सावधान मुद्रा में समवेत स्वर में राष्ट्रगान गाया।

०००

केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना

मासिक अहवाल जनवरी, २०१९

पानी कमिटी की सी. ई. ओ. के साथ बैठक ४ जनवरी, २०१९

केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना, पानी कमिटी श्री मिलिंद बोरीकर जी और श्री महेश पाटील जी के साथ

शुक्रवार दिनांक ४ जनवरी को पानी कमिटी के सदस्यों और पालघर जिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मिलिंद बोरीकर जी की संयुक्त बैठक हुई। इस बैठक में श्री रवि माने (पानी कमिटी प्रमुख), श्री अरविंद मार्डीकर, श्री राजेंद्र शासने, श्री महेश चितले, और डॉ. उमेश मुंडल्ये उपस्थित रहे। सीईओ के साथ जिले के कार्यकारी अभियंता श्री महेश पाटील जी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री बोरीकर जी ने ग्राम विकास योजना के दूसरे चरण की परियोजनाओं के लिये पूर्ण रूप से सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक काफी महत्वपूर्ण थी और सफल भी रही।

डॉ. मुंडल्ये का गांवनिवासी और जलप्रमुखों को मार्गदर्शन ६ जनवरी, २०१९

६ जनवरी को विक्रमगड़ के छत्रपति विद्यालय में डॉ. मुंडल्ये जी ने जलपरियोजना का काम चलते समय गाँवों का सहकार्य किस प्रकार होना ज़रूरी है इस विषय पर बहुमूल्य मार्गदर्शन किया। साथ ही जलपरियोजना यशस्वी हो और उसका परिणाम आगे भी दिखता रहे इस लिए क्या करना चाहिए इसका मार्गदर्शन दिया। इस सत्र में लगभग सभी ४२ गाँवों के जलप्रमुख, गाँव प्रमुख उपस्थित रहे। श्री अरविंद मार्डीकर जी ने सूत्रसंचालन किया। श्री रवींद्र माने जी ने ग्राम-पंचायत से NOC लाने के बारे में तथा लोक-सगभाग के बारे में जानकारी दी। मार्गदर्शन के बाद सवाल जवाब का सत्र हुआ। सत्र में सभी गांववासियों को बहुमुल्य जानकारी मिली। श्री अरविंद मार्डीकर, श्री संतोष गायकवाड, श्री रवींद्र माने, श्री महेश चितले, श्री राजेंद्र शासने, सभी विस्तारक, श्री अमोल तलपे तथा श्री संदेश बोरसे इस मार्गदर्शन सत्र मे उपस्थित रहे। सभी लोगों ने सत्र से पहले भोजन का आस्वाद लिया।

श्री अरविंद मार्डीकर जी सभा को संबोधित करते हुए

हिंदू आध्यात्मिक मेला बोरिवली ११ से १३ जनवरी, २०१९

ग्राम विकास योजना का थैली स्टॉल बोरिवली हिंदू आध्यात्मिक मेला

संघ परिवार आयोजित इस मेले में केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना का थैली का स्टॉल लगाया गया। श्री मितेश पाटील जी और श्री उद्धव जाधव जी ने इस स्टॉल की पूरी व्यवस्था और नियोजन किया। तीन दिनों में १६६१ थैलियाँ बेची गयीं। केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना के पिछले २ साल का ब्योरा देने वाले ५००० पत्रक इस मेले में बांटे गए। तकरीबन ३०००० लोगोंने इस मेले का लाभ लिया। ग्राम विकास योजना का कार्य इस मेले के माध्यम से उन लोगों तक पहुँचाने में हम सफल हुए। इस नियोजन और थैली वितरण में श्री रवि माने जी और श्री अनुपम शुक्लाजी ने सक्रिय सहभाग लिया।

रोपवाटिका बीज वितरण १२ जनवरी, २०१९

कृषी बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार दिनांक १२ जनवरी, २०१९ को रोपवाटिका उपक्रम का उद्घाटन हुआ। मौजूदा ६ विभागों में, हर विभाग में एक नर्सरी बनाई जाएगी। हर नर्सरी के लिए २००० सीताफल और २००० अमरूद के बीजों का वितरण ज्येष्ठ नागरिक और शेती तज्ञ श्री सदानंद अधिकारी के हाथों किया गया। श्री अमोल तलपे (कृषी विशेषज्ञ), श्री संदेश बोरसे (कृषी विभाग प्रमुख), श्री भरत निपुर्ते (विभाग क्र. १ विस्तारक), श्री सूरज अधिकारी, और सारे नर्सरी धारक (श्री विजय चौधरी, श्री अशोक धूम, श्री नामदेव तिखंडे, श्री शांताराम कोकाटे, श्री साईनाथ साठे, श्री सूरज महाले) की उपस्थिति में यह समारोह संपन्न हुआ।

इस समरोह मे श्री अमोल तलपे जी ने रोपवाटिका और बीज प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तद् पश्चात सभी नर्सरी धारकों ने श्री संदेश बोरसे जी के साथ उद्यमी बनने के बारे में चर्चा की।

रोपवाटिका के लिए बीज वितरण समारोह

रोपवाटिका धारक और संदेश बोरसे चर्चा करते हुए

रोपवाटिका धारक बीज का स्वीकार करते हुए पिंपलास, देवगाव, सोनाले

रोपवाटिका धारक बीज का स्वीकार करते हुए डाहे, साठेपाडा, डेंगाचीमेट

इस विषय की तैयारी पिछले महीने से चल रही थी। पौधे की थैली, बीज इत्यादि का समय पर आयोजन करना और सभी नर्सरी धारकों के साथ मिलकर काम करना यह जिम्मेदारी श्री संदेश बोरसे जी ने बखूबी निभाई।

साद ग्राम निर्मिति प्रशिक्षण शिविर दिनांक १५ से २३ जनवरी

ल्लारशाह तालुका, जिला चंद्रपूर मे साद ग्राम निर्मिति प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम विकास योजना की तरफ से श्री दिलीप घाटाल जी और श्री सचिन पाचलकर जी ने इस प्रशिक्षण में योगदान दिया। कोठारी गाँव के विकास के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया था। इस प्रशिक्षण में प्रात:काल मे वासुदेव फेरी के माध्यम से जनजागरण किया गया। योग प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य विषय लिया गया। बौद्धिक सत्र में जल, शिक्षण, कायदा, कृषी और महिला सक्षमीकरण इन विषयों पर मार्गदर्शन किया गया। आदर्श गावों के सरपंचों का अनुभव कथन हुआ। अख़िरी ४ दिनों मे गाँव के १७१० परिवारों का सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण से डेटा कलेक्शन का महत्वपूर्ण काम हुआ। इस प्रशिक्षण में २१ जिलों से १३० प्रशिक्षणार्थी सहभागी हुए।

प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन समारोह

प्रभात फेरी - जनजागरण

डायलॉग पालघर पालघर ज़िला प्रशासन और गैर सरकारी संगठनों की संयुक्त बैठक दिनांक १७ जनवरी, २०१९

पालघर ज़िले के आयुक्त श्री प्रवीण नारनवरे और सी.ई.ओ. श्री मिलिंद बोरीकर जी ने एम.एम.आर.डी.ए., बी.के.सी. में ग़ैर सरकारी संगठनों के साथ पालघर ज़िले के विकास कार्यक्रम के लिए एक संयुक्त बैठक ली। इस बैठक में टाटा, हिंदुजा, लुपिन जैसे अनेक बड़ी कंपनियोंके सी.एस.आर. प्रमुख उपस्थित रहे। ग्राम विकास योजना की ओर से श्री संतोष गायकवाड और श्री महेश चितले उपस्थित रहे। डॉ. प्रवीण नारनवरे जी ने सभी संस्थाओं को आवाहन करते हुए कहा कि एकात्मिक विकास योजना का हिस्सा बन कर सभी संस्थाओं ने सरकार का साथ देने की ज़रूरत है। सरकार की तरफ से चलाई जाने वाली सभी योजनाओं का लाभ गाँवों तक पहुँचाने में सभी संस्थाओं ने सहयोग देने की जरूरत है। बैठक के अंत में श्री संतोष गायकवाड़ जी ने, बैठक की प्रमुख अतिथी सौ. अमृता फडणविस जी से वार्तालाप किया और उन्हें ग्राम विकास योजना का वार्षिक अहवाल सुपुर्द किया।

नीति आयोग उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार जी के साथ वार्तालाप दिनांक १९ जनवरी, २०१९

ग्राम विकास योजना की पूरी टीम ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार जी के साथ ग्राम विकास के विषय पर विशेष चर्चा की। इस चर्चा में ग्राम विकास की पूरी टीम तत: रामभाऊ म्हलगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष श्री विनय जी सहस्रबुद्धे, श्री रवि पोखरणा और अटल इन्क्युबेशन सेंटर म्हालगी प्रबोधिनी के सी.ई.ओ. श्री वाकावाला जी ने सहभाग लिया। श्री बिमल केडिया जी ने नेतृत्व करते हुए ग्राम विकास योजना का इतिहास बताया । कार्यकताओं के सवालों के श्री राजीव कुमार जी ने खुले दिल से जवाब देते हुए कहा कि ग्राम विकास योजना का काम निश्चित ही सराहनीय है। वे ग्राम विकास योजना के काम से प्रभावित हुए।

दिनांक २० जनवरी, २०१९ को रामभऊ म्हालगी प्रबोधिनी के अटल इन्क्युबेशन सेंटर (अटल प्रतिभा-पोषण केंद्र) के उद्घाटन समारोह में ग्राम विकास योजना के सभी लोगों ने सहभाग लिया।

भारतमाता पूजन २६ जनवरी, २०१९

२६ जनवरी के अवसर पर सभी ४२ गाँवों में भारतमाता की प्रतिमा का पूजन किया गया। तकरीबन सभी गाँवों मे मुंबई युवाओं ने अपनी उपस्थिति लगाई। सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गए। मुंबई युवाओं ने खेल प्रतियोगिता विजेताओं को ट्रोफी एवं प्रशस्तिपत्र देकर बच्चोंका मनोबल बढ़ाया। सभी गाँवों में ग्राम समिति के साथ मुंबई युवाओं ने बैठक कर वैचारिक आदान प्रदान किया और आगे की नीति पर चर्चा की। तद् पश्चात भोजन का कार्यक्रम हुआ।

सॅनिटरी पॅड उत्पादन केंद्र उद्घाटन २६ जनवरी, २०१९

खुपरी के स्वयंसिद्धा महिला बचत गट के माध्यम से केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना ने सॅनिटरी पॅड बनाने की मशीन का हाल ही में अधिष्ठापन किया । इस उद्योग का उद्घाटन २६ जनवरी के शुभ अवसर पर श्रीमती धनश्री चौधरी जी, पालघर जिला महिला एवं बाल कल्याण सभापति, के हाथों किया गया। स्वयंसिद्धा महिला बचत गट की महिलाएँ इस उद्योग को आगे चलाएंगी। इस उद्घाटन मे श्रीमती अश्विनी शेळके, सभापती, पंचायत समिती वाडा, श्रीमती प्रारब्धा तांडेल, सरपंच, खुपरी उपस्थित रहीं। सभी उपस्थित लोगों ने भारतमाता पूजन में भी सगभाग लिया। स्थापित की गई सॅनिटरी पॅड बनाने की मशीनों का पूजन कर के सॅनिटरी पॅड का उत्पादन किया गया। श्रीमती धनश्री ताई ने मार्गदर्शन परक भाषण देते हुए कहा कि इन सॅनिटरी पॅड का वितरण करने में ज़िला प्रशासन सहकार्य देगा। इस कार्यक्रम के बाद महिलाओं का प्रशिक्षण हुआ।

सॅनिटरी पॅड उत्पादन केंद्र का उद्घाटन करते हुए श्रीमती धनश्री चौधरी जी

सॅनिटरी पॅड उत्पादन का प्रशिक्षण एवं उत्पादन
दंत चिकित्सा और मधुमेह चिकित्सा शिविर २६ जनवरी, २०१९

रोटरी क्लब वर्सोवा, तेरणा दंत विद्यालय और केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना के संयुक्त प्रयास से गाले गाँव में दंत और मधुमेह चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। आस पास के गांवों से २०० से भी अधिक गाँव वासियों ने इस शिविर में भाग लिया। गाले गाँव की जिला परिषद पाठशाला के विद्यार्थियों ने भी इस शिविर का लाभ लिया।

दंत एवं मधुमेह चिकित्सा शिविर, गाले टेटवाली
कार्यक्रम दिनांक २७ जनवरी, २०१९

केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना, भारत विकास परिषद और परमार्थ सेवा समिति के माध्यम से टेटवाली गाँव में विशेष कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत भूमिगत बंधारे के भूमिपूजन से हुई। इसके साथ ही बांबू प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करते हुए १०० बांबू के पेड़ लगाए गए। तद् पश्चात सभी अधिकारी गणों का गांव वालों ने लेज़िम, ढोल बजाकर स्वागत किया और आरती उतारी। गांव की सैर कर के पाठशाला के प्रांगण में बैठक हुई। परमार्थ सेवा समिति तथा भारत विकास परिषद के अधिकारी वर्ग ने गांववालों का मार्गदर्शन किया। गांववासियों ने अपना मनोगत कथन किया। हलदी-कुंकुम, तिलगुड़ देने का कार्यक्रम हुआ। बाद में गाँव की महिलाओंको साड़ीयाँ दी गईं और युवाओंको शर्टस् बाँटे गये।

बांबू वृक्षारोपण कार्यक्रम
बांबू प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

डॉ. सुहास आजगावकर जी का अभिनंदन

श्री सुहास आजगावकरजी को विद्यावाचस्पति (डॉक्टरेट) पदवी मिलने पर केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना की ओर से उन्हे प्रशंसा पत्र दे कर सम्मानित किया गया।

श्री अमोल तलपे जी और श्री संदेश बोरसे जी ने औरंगाबाद जा कर उन्हें पत्र दिया।

डॉ. सुहासजी ग्राम विकास योजना के कृषी क्षेत्र मे पिछले दो साल से मार्गदर्शन कर रहे हैं।

केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना के नये प्रशासकीय अधिकारी श्री महेशजी चितले ने १ दिसंबर, २०१८ से केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना के प्रशासकीय अधिकारी का कार्यभार संभाला है। पिछले ५ सालों से वे, केशवसृष्टि, उत्तन में स्थित रामरत्न विद्यामंदिर के प्रशासकीय अधिकारी की हैसियत से और पिछले ३ साल से उत्तन विविधलक्ष्यी शिक्षण संस्था के कार्यकारी सचिव की हैसियत से काम कर रहे थे। १ दिसंबर, २०१८ से उन्होंने वाडा के ग्राम विकास के कार्यालय की पूरी जिम्मेदारी संभाली है।

०००